आपके आचरण पर, जीवन शैली पर, एवं विचार तंत्री पर शिक्षा का सीधा एवं स्वच्छ प्रभाव पड़ना चाहिए। -महास्थविर शान्ति मुनि

दिल्ली ▪ जयपुर से प्रकाशित

बिज़नेस रेमेडीज

वर्ष : 4 | अंक : 123

व्यापार एवं विकास की आवाज

मूल्य : 3 रुपए | पेज : 8 www.businessremedies.com दैनिक

नई दिल्ली। बुधवार 20 मई, 2026

Bazaar

Index/Commodity	LTP	Change (Points)
BSE Sensex	75,200.85	-114.19
NSE Nifty	23,618.00	-31.95
Gold (IBJA,Rs./10gm)	1,59,077	+1338
Silver (IBJA,Rs./kg)	2,68,713	+673
US Dollar(in Rs.)	96.82	-0.62
Bitcoin($)	76,381	+2.0
GIFT NIFTY	23,523.50	+41.50

Rates as of 7.00 pm on 19 May 2026

Movement in BSE Shares

Top Gainers

Security Name	LTP	% CHANGE
APOLLO	340.65	9.5
ANGELONE	328.2	7.94
TRITURBINE	638.55	7.25
MASTEK	1,656.20	6.64
JKPAPER	395.55	6.45
SJS	1,987.25	6.37
TATATECH	668.4	6.23
IGIL	332.6	6.09

Top Losers

ASTRAL	1,448.10	-6.33
TDPOWERSYS	1,255.50	-5.35
MTARTECH	6,810.70	-4.28
KEC	469.5	-3.72
VINATIORGA	1,328.75	-3.71
BERGEPAINT	507	-3.3
ELECTCAST	75.59	-3.21
DATAPATTNS	3,634.55	-3.2

पांच दिन में जनता को दूसरा झटका

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में एक बार फिर 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी

नई दिल्ली | बीआर न्यूज नेटवर्क
businessremedies.com

देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी गई है। मंगलवार को तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दामों में करीब 90 पैसे प्रति लीटर तक का इजाफा किया। पिछले एक हफ्ते के भीतर यह दूसरी बार है, जब ईंधन महंगा किया गया है। इससे आम लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ और महंगाई बढ़ने की संभावना है। इससे पहले गत शुक्रवार 15 मई को भी पेट्रोल और डीजल के दामों में करीब 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। लगातार बढ़ती कीमतों का असर अब परिवहन से लेकर रोजमर्रा की जरूरतों तक दिखाई देने लगा है। देश की राजधानी में पेट्रोल की कीमतें 97.77 से अब बढ़कर 98.64 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गई है, जबकि डीजल की दरें 90.67 से बढ़कर 91.58 रुपए प्रति लीटर हो गई है।

कच्चो तेल की कीमतों में तेजी रहा कारण

फरवरी में शुरू हुए ईरान युद्ध के चलते दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त तेजी आई है। इसे देखते हुए सरकारी खुदरा पेट्रोलियम कंपनियों ने अपने बढ़ते नुकसान का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालने का फैसला किया। इससे पहले पश्चिम बंगाल समेत कुछ राज्यों में विधानसभा चुनावों के बीच ईंधन के दाम स्थिर रखे गए थे।

सीएनजी के भी दो बार बढ़े दाम

पेट्रोल-डीजल के अलावा सीएनजी की कीमतों में भी गत 5 दिनों में अब तक दो बार बढ़ोतरी हो चुकी है। पेट्रोल और डीजल के अलावा गत शुक्रवार को ही दिल्ली और मुंबई सहित कई शहरों में सीएनजी की कीमतों में दो रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई थी। वहीं रविवार को सीएनजी की कीमत में फिर से एक रुपए प्रति किलोग्राम का इजाफा किया गया।

एलपीजी गैस की कीमतों में पहले हो चुकी 60 रुपए की बढ़ोतरी

घरेलू खाना पकाने की गैस एलपीजी की कीमत में मार्च में 60 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई, लेकिन यह अभी भी वास्तविक लागत से काफी कम है। तेल कंपनियों को 14.2 किलोग्राम एलपीजी के एक सिलेंडर पर 674 रुपए का नुकसान हो रहा है।

प्राइवेट ऑयल रिटेलर्स भी बढ़ा चुके हैं दाम

प्राइवेट ऑयल रिटेलर्स ने पहले ही पेट्रोल की कीमतें बढ़ा दी थीं। देश की सबसे बड़ी प्राइवेट फ्यूल रिटेलर नायरा एनर्जी ने मार्च में पेट्रोल की कीमत में 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 3 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की, जबकि शेल ने एक अप्रैल से पेट्रोल की कीमत में 7.41 रुपए और डीजल की कीमत में 25 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की। बेंगलुरु में शेल 119.85 रुपए प्रति लीटर और डीजल 123.52 रुपए प्रति लीटर पर बेच रही है।

क्रूड ऑयल में 50 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी

अमेरिका और इजराइल के 28 फरवरी को ईरान पर किए गए हमले और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद वैश्विक तेल की आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण रूट होर्मुज स्ट्रेट के बाधित होने से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें 50 फीसदी से अधिक की बढ़ चुकी हैं। इसके बावजूद खुदरा ईंधन की दरें दो साल पुरानी दरों पर ही स्थिर रखी गईं।

भारत महज उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश साझेदार के रूप में उभर रहा है: जितिन प्रसाद

नई दिल्ली | एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि भारत को केवल उत्पाद बेचने वाले बाजार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि एक ऐसे दीर्घकालिक निवेश साझेदार के रूप में देखना चाहिए जहां वैश्विक कंपनियां भारतीय व्यवसायों के साथ मिलकर देश की विकास यात्रा में भागीदारी कर सकें।

उद्योग जगत की संस्था एसोचैम के 'इंडिया बिजनेस रिफॉर्म्स समिट 2026' को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि भारत का आर्थिक बदलाव अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। इससे कारोबार और निवेशकों के लिए बड़ा घरेलू बाजार तैयार हो रहा है।

उन्होंने कहा, 'भारत में बदलाव जमीनी स्तर से भी हो रहा है। यह सिर्फ हमारे मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं है। यही वजह है कि हम दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बन रहे हैं।' मंत्री ने कहा कि सरकार चाहती है कि विदेशी निवेशक भारत को केवल उपभोक्ता बाजार न मानें, बल्कि यहां के मैन्युफैक्चरिंग और बिजनेस इकोसिस्टम में सक्रिय भागीदार बनें। उन्होंने कहा, 'मैं निवेशकों, खासकर विदेशी निवेशकों से कहता हूं कि भारत को सिर्फ बाजार की तरह न देखें। हम आपके साथ साझेदारी करना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि वे भारत में निवेश करें।' मंत्री ने कहा कि भारत में कानून का शासन और पारदर्शी कारोबारी माहौल निवेशकों का भरोसा मजबूत कर रहा है। इससे घरेलू और विदेशी दोनों कंपनियों का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा, 'इस सरकार में भारत में कानून का राज है। पारदर्शिता है और सभी को समान अवसर मिलते हैं।

iifl.com

IIFL FINANCE

Sapna Aapka. Gold Loan Humaara.

% Attractive Interest Rates*

No Hidden Charges*

SEEDHI BAAT

63 9111 9111

*Terms & Conditions apply. Visit our website for more information - www.iifl.com/gold-loans

IIFL Finance Limited • CIN: L67100MH1995PLC093797
Registered Office: IIFL House, Sun Infotech Park, Road No. 16V, Plot No. B-23, Thane Industrial Area, Wagle Estate, Thane – 400604
Tel: (91-22) 4103 5000

क्यों बनती है गुर्दे में पथरी? Kidney Stone निकालने के घरेलू नुस्खे

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज़

खराब लाइफ स्टाइल और गलत खानपान की वजह से शरीर में कई सारी बीमारियां घर करने लगती हैं। इन्हीं में से एक होते हैं किडनी स्टोन। आम भाष में लोग इसे पथरी बोलते हैं। आजकल कई सारे लोग पथरी की समस्या से जूझ रहे हैं। इस समस्या के होने पर पेट में असहनीय दर्द होता है। वैसे तो छोटे स्टोन यूरीन के जरिए निकल जाते हैं। बस आपको जरूरत है थोड़े धैर्य के साथ कुछ घरेलू नुस्खों का पालन करने की। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में...

कैसे बनती है पथरी

किडनी शरीर का एक अहम हिस्सा है। इसका ब्लड को फिल्टर करना होता है। किडनी द्वारा ब्लड फिल्टरेशन के दौरान सोडियम, कैल्शियम और अन्य दूसरे मिनरल्स बारीक कणों के रूप में यूरेटर के माध्यम से ब्लैडर तक पहुंचते हैं, जो पेशाब के जरिए शरीर से बाहर निकल जाते हैं। जब ब्लड में इन तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है तो ये किडनी में जमा होकर पत्थर के टुकड़ों जैसा आकार ले लेते हैं, जिसके कारण ब्लैडर तक यूरिन पहुंचने के रास्ते में रुकावट आती है और किडनी स्टोन यानी गुर्दे की पथरी की समस्या पैदा हो जाती है।

पथरी से राहत पाने के लिए इस्तेमाल करें ये घरेलू नुस्खे

नींबू का रस और जैतून : नींबू का रस पथरी

को तोड़ने का काम करता है और जैतून का तेल इसे बाहर निकालने में मददगार है। एक गिलास पानी में एक नींबू निचोड़ें और थोड़ा सा जैतून का तेल डालें। इसे अच्छी तरह मिलाकर पीएं। ऐसा करने से कुछ ही समय में पथरी निकल सकती है।

सेब का सिरका : सेब के सिरके में सिट्रर्क

एसिड होता है जो किडनी स्टोन को छोटे-छोटे कणों में काटने का काम करता है। 2 छोटे चम्मच सिरके को गर्म पानी के साथ लेने से स्टोन की समस्या से राहत मिलती है।

अनार का जूस : पथरी की समस्या में राहत

के लिए अनार एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इसका जूस पीने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती है और इससे बड़े आसानी से नेचुरल तरीके से स्टोन निकल जाता है।

पत्थर चट्टा का जूस : पत्थर चट्टा का पौधा आसानी से मिल जाता है। इस एक पत्ता लें और उसमें मिश्री के कुछ दाने डालकर पीस सें। दिन में 2 से 3 बार इसका सेवन करने से स्टोन कुछ ही समय से बाहर निकल सकता है।

इलायची, मिश्री और खरबूजे के बीज

बड़ी इलायची के दानों को पीसकर पाउडर बनाएं। अब इसका 1 छोटा चम्मच पाउडर गिलास पानी में मिक्स करें और इसमें 1 छोटा चम्मच मिश्री और कुछ खरबूजे के बीज डालकर रातभर भिगोएं। सुबह इसमें पड़ी चीजों को अच्छे से चबाकर खा लें और सारा पानी पी लें। इससे आपको आराम मिलेगा।

ये हैं पित्ते में पथरी होने के लक्षण, बचाव के लिए रखें इन बातों का ख्याल

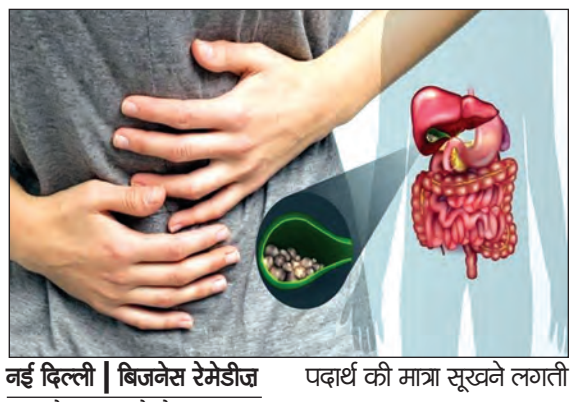

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज़

आज के समय में देखा जा रहा है कि लोगों में पथरी की समस्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। बच्चों से लेकर बड़े तक इसका शिकार हो रहे है। पित्ताशय एक छोटा अंग है जो पेट के ठीक ऊपर और दांय ओर उपस्थित होता है। पित्त की पथरी के कारण शरीर के इस हिस्से में असहनीय दर्द होता है। अगर आपको पथरी हो तो इसका दर्द कभी भी हो सकता है। पित्ताशय की पथरी निकालने के लिए ऑपरेशन ही एकमात्र उपाय है अन्य कोई उपचार प्रभावी नहीं होता। इसमें डॉक्टरों के द्वारा सर्जरी से पेट में छेद करके निकाला जाता है। कोशिश करें कि पथरी बनने ही न दें।

पित्त की पथरी बनने के कारण

जब गॉलब्लैडर में तरल पदार्थ की मात्रा सूखने लगती

है तो उसमें मौजूद चीनी-नमक और अन्य माइक्रोन्यूट्रिएंट तत्व एक साथ जमा होकर छोटे-छोटे पत्थर के टुकड़ों जैसा रूप धारण कर लेते हैं, जिन्हें गॉलस्टोन्स कहा जाता है। अक्सर होता ये है कि पित्ताशय में कोलेस्ट्रॉल, बिलीरुबिन और पित्त लवणों का जमाव हो जाता है। 80 प्रतिशत पथरी कोलेस्ट्रॉल की बनी होती। है। धीरे-धीरे वे कठोर हो जाती हैं तथा पित्ताशय के अंदर पत्थर का रूप ले लेती है। कोलेस्ट्रॉल स्टोन पीले-हरे रंग के होते हैं। इसका एक और कारण पित्त का पर्याप्त रूप से खाली न होना भी हो सकता है। जिसके कारण गाढ़े पित्त का संग्रहण होने लगता है और पथरी बन सकती है।

पित्त की पथरी के लक्षण

» पित्ताशय में सूजन और दाहिनी बगल में दर्द
» पेट भर जाना और डकार आना
» यूरिन का पीला और गहरा पड़ना
» बुखार
» पीलिया
» उल्टी होना
» पसीना
» पेट में दर्द

पित्ताशय की पथरी से कैसे करें बचाव

» सुबह खाली पेट 50 मि.ली. नींबू का रस पीने से एक सप्ताह में असर दिखने लगता है।
» तली और भुनी चीजों से रखें दूर रहें।
» गाजर और ककड़ी का रस को 100 मी.ली की मात्रा में मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए।
» शराब, सिगरेट, चाय, कॉफी और शक्क र से परहेज करें।
» नाशपति खाना पित्त की पथरी के लिए फायदेमंद है।
» अधिक मात्रा में हरी सब्जियां और फलों का सेवन करें।
» पित्त की पथरी का उपचार करने के लिए आप योग और व्यायाम का सहारा भी लें सकते है।

हाथ-पैर रहते हैं सुन्न तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज़

इन दिनों बहुत ज्यादा ठंड पड़ रही है ऐसे में इस मौसम में कई लोगों के हाथ-पैर सुन्न और उनमें झनझनाहट होने लगती है। हाथ-पैर सुन्न होना ब्लड वेसल्स के सुंकचित होने के कारण होता है। ठंड के मौसम में दिल पर भी काफी जोर पड़ता है जिससे रक्त वाहिनिया इकट्ठी हो जाती हैं और शरीर के सभी अंगों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है। विभिन्न अंगों तक ब्लड सर्कुलेशन अच्छी तरह से न होने के कारण शरीर के अंग भी सुन्न हो जाते हैं, लेकिन सर्दियों में हाथ-पैर सुन्न क्यों होते हैं और इसका क्या कारण है आज आपको इस बारे में बताएंगे।

हाथ-पैर सुन्न होने के कारण

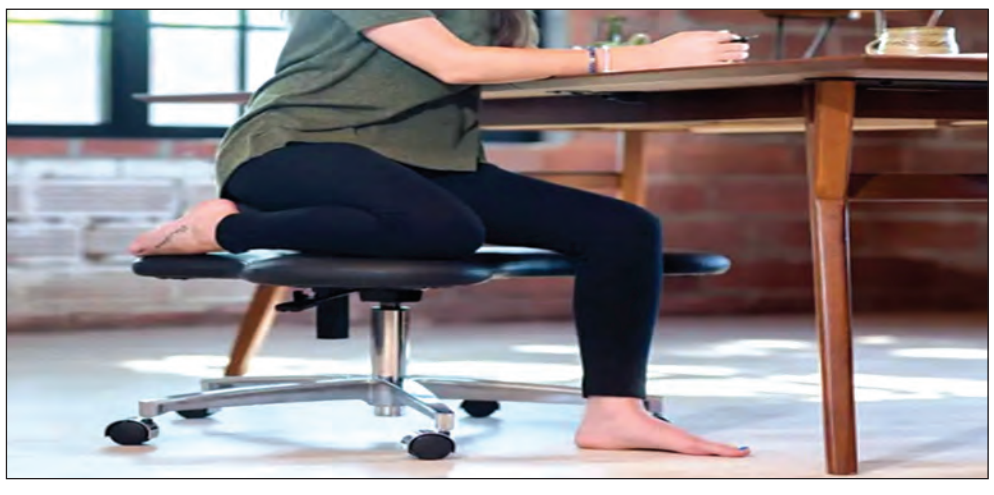

» इन दिनों ब्लड सर्कुलेशन धीमा होने के कारण हाथ-पैर सुन्न पड़ सकते हैं।
» हाथ-पैर की नस दबना
» शरीर में विटामिन्स और मैग्नीशियम की कमी
» एक ही स्थिति में ज्यादा देर बैठने के कारण
» हाई ब्लड प्रेशर या फिर डायबिटीज के कारण
» चोट लगने के कारण

ऐसे करें बचाव?

हाथ-पैरों की मालिश करें : यदि सर्दी में आपके हाथ-पैर सुन्न होते हैं तो प्रभावित जगह की मालिश करें। मसाज करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। सर्दी में मसाज करने के लिए आप सरसों का तेल, जैतून का तेल या फिर नारियल के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

हल्दी वाला दूध : हाथों-पैरों में झनझनाहट और सुन्न की

समस्या दूर करने के लिए आप हल्दी का सेवन कर सकते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने में मदद करते हैं। इसके अलावा हल्दी में कुछ ऐसे तत्व भी पाए जाते हैं जो सूजन और दर्द दूर करने में मददगार होते हैं। सर्दियों में रोजाना सोने से पहले एक गिलास गर्म हल्दी वाला दूध का सेवन करें।

एक्सरसाइज करें: सर्दियों में रोजाना कम से कम 30 मिनट तक एक्सरसाइज करें। इससे शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ेगा और ब्लड सर्कुलेशन भी ठीक रहेगा। योग और एरोबिक्स नियमित करने से हाथ-पैरों में सुन्नपन दूर होता है।

गर्म पानी की सिकाई : ठंड में हाथ-पैर सुन्न होने की

समस्या दूर करने के लिए आप गर्म पानी की सिकाई करें। गर्म पानी से सिकाई करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और मांसपेशियों को आराम मिलता है। गर्म पानी की बोतल से प्रभावित जगह की सिकाई करें। आप चाहें तो गर्म पानी में नमक डालकर उसमें कुछ देर अपने हाथ-पैर भिगोकर बैठें। हाथ-पैर सुन्न होने से आपको काफी आराम मिलेगा।

डाइट बदलें : हाथ-पैर सुन्न होने की समस्या दूर करने के लिए आप अपनी डाइट में भी बदलाव करें। विटामिन-बी, बी6, बी12 शामिल करें। इसके अलावा दूध, पनीर, दही, मेवा, ओटमील, केला, बींस शामिल करें।

इम्यूनिटी मजबूत बनाने से लेकर बच्चों की आंखे स्वस्थ रखेगी गाजर

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज़

सर्दी में बड़ों के साथ-साथ बच्चों के शरीर को भी ज्यादा देखभाल की जरुरत होती है। इस समय बच्चों को आसानी से सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या होती रहती है। ऐसे में बार-बार दवाईयां लेने में बच्चे कई तरह के नखरे करते हैं। साथ ही पोषक तत्वों से भरपूर खाने में भी वह आनाकनी करते हैं जिससे उनके शरीर में कमजोरी और खून की कमी होने लगती है। सर्दी में वैसे तो बाजार में कई तरह की सब्जियां मिलती हैं जो बड़ों के साथ-साथ बच्चों के लिए भी बेहद लाभकारी होती हैं। सर्दी में बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए आप गाजर का सेवन कर सकते हैं। यह पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें सोडियम, पौटेशियम, आयरन, प्रोटीन, फाइबर, फोलेट, विटामिन-ए और सी मौजूद होता है। इसका सेवन करने से बच्चों को ताकत मिलती है और वह लंबे समय तक बिल्कुल स्वस्थ रहते हैं। तो चलिए आपको आपको आज इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि बच्चों को गाजर खिलाने से क्या-क्या फायदे होंग।

गाजर में बीटा-कैरोटीन पाया जाता है जो आंखो को हेल्दी और स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसका सेवन करने से आंख संबंधी बीमारियां दूर होती हैं।

याददाश्त में आएगा सुधार : बच्चों को नियमित गाजर देने से उनकी याददाश्त सुधरती है। यह मेमोरी को भी बढ़ाता है। इसका सेवन करने से बच्चों में लर्निंग पॉवर बढ़ती है। इसका सेवन करने से मस्तिष्क की सूजन भी दूर होती है और इससे जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत : सर्दी

में बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है जिसके कारण उन्हें सर्दी-खांसी की समस्या होने लगती है। ऐसे में आप उनकी डाइट में गाजर शामिल कर सकते हैं। यह मौसमी बीमारियों का खतरा कम करेगी। इसके अलावा इसमें विटामिन-सी पाया जाता है जो सं मण से दूर रखने में मदद करता है।

पाचन रहेगा स्वस्थ : गाजर में काफी अच्छी मात्रा में फाइबर मौजूद होता है। ऐसे में इसका सेवन बच्चों को करवाने से उन्हें कब्ज से राहत मिलेगी। कई बार बच्चों के पेट में कब्ज की समस्या हो जाती है। कब्ज होने के कारण बच्चों को मल त्यागने में भी परेशानी होती है। गाजर खाने से बच्चों का पाचन स्वस्थ होगा और उन्हें परेशानी से राहत मिलेगी।

दांत रहेंगे हेल्दी : सर्दी में

बच्चों को गाजर खिलाने से उनके मसूड़े और दांतों का प्लाक साफ करने में मदद मिलती है। बच्चों के दांत में कई तरह की कैविटीज होती है ऐसे में गाजर का सेवन करने से वह कैविटीज से बच सकते हैं। गाजर खाने से मुंह की दुर्गंध भी दूर होती है। इसमें पाया जाने वाला कैल्शियम और अन्य बैक्टीरिया लड़ते हैं और दातों को स्वस्थ व साफ करने में मदद मिलती है।

आंखों के लिए फायदेमंद : आज

के समय में बच्चे अपना ज्यादा समय मोबाइल और लैपटॉप पर बिताते हैं जिसके चलते उन्हें कम उम्र में ही चश्मा लगने लगता है। छोटी उम्र में ही बच्चों की आंखे कमजोर होती है।

वित्त वर्ष 26 में बीएलएस ई-सर्विसेज ने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व का आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड (BLSe), जो तकनीक आधारित डिजिटल सेवा प्रदाता कंपनी है, ने 31 मार्च 2026 को समाप्त तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के ऑडिटेड वित्तीय परिणाम घोषित किए। शिखर अग्रवाल, चेयरमैन, बीएलएस ई-सर्विसेज ने कंपनी के प्रदर्शन पर कहा: 'बीएलएस ई-सर्विसेज ने चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 26 में शानदार प्रदर्शन किया। वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में कुल आय 34.1 प्रतिशत और वित्त वर्ष 26 में 109.7 प्रतिशत बढ़ी। यह वृद्धि कंपनी के मुख्य व्यवसायों में मजबूत प्रदर्शन और डिजिटल एवं नागरिक सेवाओं के विस्तार के कारण संभव हुई। हमें गर्व है कि हमने 1,000 करोड़ रुपये वार्षिक राजस्व का आंकड़ा पार किया। साथ ही लगभग 100 करोड़ रुपये एबिटिडा (EBITDA) हासिल किया। पूरे वर्ष में 1.11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ग्रॉस ट्रांजैक्शन वैल्यू दर्ज किया गया। यह हमारी मजबूत और विस्तार योग्य बिजनेस मॉडल की क्षमता को दर्शाता है। 400 करोड़ रुपये से अधिक की मजबूत नकद स्थिति के साथ कंपनी अपने अगले विकास चरण के लिए पूरी तरह तैयार है। बढ़ती साझेदारियों और मजबूत संचालन के कारण हमें भविष्य में भी लगातार विकास और शेयरधारकों के लिए बेहतर मूल्य देने का विश्वास है।'

वित्त वर्ष 26 की प्रमुख उपलब्धियां

वित्त वर्ष 26 में कंपनी की कुल आय 545 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,142.8 करोड़ रुपये हो गई, जो 109.7 प्रतिशत की वृद्धि है।

एबिटिडा 86.1 करोड़ रुपये से बढ़कर 99.9 करोड़ रुपये हुआ।

कर पश्चात लाभ 58.8 करोड़ रुपये से बढ़कर 69.3 करोड़ रुपये पहुंचा।

31 मार्च 2026 तक कंपनी के पास 404 करोड़ रुपये की नेट कैश स्थिति रही।

बोर्ड ने 0.5 रुपये प्रति इक्विटी शेयर अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की है। पूरे साल का कुल डिविडेंड 1 रुपये प्रति शेयर रहा।

सियाराम रीसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 के वित्तीय परिणाम प्रस्तुत किए

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

सियाराम रीसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड पुनर्चक्रित पीतल उत्पादों और मूल्यवर्धित पीतल घटकों की निर्माता कंपनी है। कंपनी ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

वित्त वर्ष 2026 के वित्तीय परिणामों के मुख्य बिंदु:

- परिचालन से राजस्व 361.7 करोड़ रुपए रहा
- ईबीटा: 17.0 करोड़ रुपए रहा
- ईबीटा मार्जिन : 4.9 फीसदी रहा
- शुद्ध लाभ: 3.8 करोड़ रहा
- शुद्ध-लाभ मार्जिन 1.0 फीसदी रहा

कंपनी प्रबंधन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026 बाहरी व्यवधानों से प्रभावित रहा; दीर्घकालिक रणनीतिक परिवर्तन जारी है। वित्तीय वर्ष 2026 बाहरी व्यापक आर्थिक और भू-राजनीतिक कारकों के संयोजन से प्रभावित रहा, जिसमें कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता, वैश्विक माल ढुलाई में व्यवधान, अस्थायी श्रम की कमी और उद्योग भर में कार्यशील पूंजी का दबाव शामिल है। इन व्यवधानों ने वर्ष के दौरान परिचालन क्षमता और निष्पादन समयसीमा को प्रभावित किया, विशेष रूप से उद्योग की आयातित स्क्रैप उपलब्धता और वैश्विक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क पर निर्भरता को देखते हुए चुनौतीपूर्ण परिचालन वातावरण के बावजूद, कंपनी ने अपने विनिर्माण मंच को मजबूत करना जारी रखा, घरेलू और निर्यात बाजारों में ग्राहकों के साथ जुड़ाव को गहरा किया और उच्च मूल्य वर्धित पीतल घटकों की ओर अपने परिवर्तन को आगे बढ़ाया।

भावेश माहेश्वरी
प्रबंध निदेशक, सियाराम रीसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड

वर्ष के दौरान, कंपनी ने दीर्घकालिक स्केलेबिलिटी का समर्थन करने के लिए विनिर्माण क्षमताओं, प्रक्रिया दक्षता और ग्राहक विकास पहलों में सुधार के लिए निवेश जारी रखा है।

वित्त वर्ष 2027 का दृष्टिकोण;

परिचालन सुधार में सुधार: वित्त वर्ष 2027 में प्रवेश करते हुए, कंपनी ने माल ढुलाई, आपूर्ति श्रृंखला स्थिरता, श्रम उपलब्धता और निष्पादन दक्षता सहित प्रमुख परिचालन मापदंडों में स्पष्ट सुधार देखा है। वित्त वर्ष 2026 के व्यवधान-प्रभावित अवधि की तुलना में ग्राहक गतिविधि स्तर और प्रेषण रुझानों में भी लगातार सुधार हुआ है। प्रबंधन को उम्मीद है कि रसद और कच्चे माल की उपलब्धता में सामान्यीकरण, कार्यशील पूंजी लचीलेपन में सुधार, स्थिर ग्राहक मांग और क्षमता उपयोग में मिक सुधार के कारण वित्त वर्ष 2027 में व्यावसायिक गति में लगातार सुधार होगा। कंपनी को प्रमुख अंतिम-उपभोक्त। उद्योगों में मूल्यवर्धित पीतल घटकों से बढ़ते योगदान की भी उम्मीद है, जिसके बारे में प्रबंधन का मानना है कि यह बेहतर मार्जिन, गहन ग्राहक एकीकरण और अधिक लचीले दीर्घकालिक विकास प्रोफाइल का समर्थन करेगा।

कंपनी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में प्रदर्शन व्यवधानों से प्रभावित वित्त वर्ष 2026 की अवधि की तुलना में उल्लेखनीय सुधार प्रदर्शित करेगा और व्यवधान-पूर्व परिचालन स्तरों को पार करेगा, जो वित्त वर्ष 2026 से पहले की इसी अवधि में देखे गए थे। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद, प्रबंधन का मानना है कि प्रमुख अंतिम-उपभोक्ता क्षेत्रों में अंतर्निहित मांग और व्यवसाय की परिचालन गति मजबूत बनी हुई है।

प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, प्रबंध निदेशक भावेश माहेश्वरी ने कहा कि 'वित्त वर्ष 2026 पूरे उद्योग के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष था क्योंकि आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, लॉजिस्टिक्स में अस्थिरता, वस्तु कीमतों में उतार-चढ़ाव और कार्यशील पूंजी की कमी ने पूरे क्षेत्र में परिचालन दक्षता को प्रभावित किया। इन चुनौतियों के बावजूद, हम व्यवसाय की दीर्घकालिक नींव को मजबूत करने और उच्च मूल्यवर्धित विनिर्माण की ओर अपने परिवर्तन को गति देने पर केंद्रित रहे। वित्त वर्ष 2027 में प्रवेश करते हुए, हम परिचालन में स्थिर सामान्यीकरण के साथ-साथ ग्राहक गतिविधि और निष्पादन की गति में सुधार देख रहे हैं। हमारा मानना है कि बेहतर परिचालन वातावरण, निष्पादन में सुधार और मूल्यवर्धित उत्पादों से बढ़ते योगदान से व्यवसाय वित्त वर्ष 2027 और उसके बाद काफी मजबूत प्रदर्शन की ओर अग्रसर है।'

गोयल कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के वार्षिक मुनाफे में 20.71 फीसदी और आय में हुई 11.93 फीसदी की बढ़त

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

गोयल कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 के वार्षिक और अर्धवार्षिक वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। कंपनी ने इस दौरान आय और मुनाफे दोनों में मजबूत वृद्धि दर्ज की है। कंपनी की कुल आय वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 66,527.83 लाख रुपए रही, जो पिछले वित्त वर्ष के 59,434.35 लाख रुपए के मुकाबले लगभग 11.93 फीसदी अधिक है। वहीं कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 4,625.83 लाख रुपए हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 3,832.29 लाख रुपए था। इस प्रकार कंपनी के मुनाफे में लगभग 20.71 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। मार्च 2026 को समाप्त अर्धवार्षिक अवधि में कंपनी की कुल आय 41,556 लाख रुपए रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 31,998.79 लाख रुपए की तुलना में करीब 29.87 फीसदी अधिक है। इसी अवधि में कंपनी का कर पूर्व लाभ बढ़कर 3,976.43 लाख रुपए पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष यह 2,894.73 लाख रुपए था। यानी कर पूर्व लाभ में लगभग 37.37 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। कंपनी की प्रति शेयर आय भी बढ़कर 35.25 रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष 33.72 रुपए थी। इसमें लगभग 4.54 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि निर्माण सामग्री, कर्मचारी खर्च और प्रशासनिक खर्चों में वृद्धि देखने को मिली, लेकिन मजबूत ऑपरेशनल प्रदर्शन और राजस्व वृद्धि के चलते कंपनी बेहतर मुनाफा दर्ज करने में सफल रही। विशेषज्ञों के अनुसार, इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट सेक्टर में बढ़ती गतिविधियों का लाभ कंपनी को मिल रहा है, जिससे आने वाले समय में भी कंपनी के प्रदर्शन में मजबूती की उम्मीद की जा रही है।

क्लासिक इलेक्ट्रोड्स (इंडिया) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 में 18.48 फीसदी अधिक 24,421.18 लाख रुपए का राजस्व अर्जित किया

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

वेल्डिंग उपभोग्य सामग्रियों की अग्रणी निर्माता कंपनी क्लासिक इलेक्ट्रोड्स (इंडिया) लिमिटेड ने 31 मार्च 2026 को समाप्त छमाही और वित्तीय वर्ष के लिए अपने लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 और दूसरी छमाही के वित्तीय परिणाम जारी करते हुए आय और मुनाफे में अच्छी वृद्धि दर्ज की है।

जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में कंपनी की कुल आय बढ़कर 24,421.18 लाख रुपए हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष 20,612.53 लाख रुपए थी। इस प्रकार कंपनी की आय में 18.48 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी का ईबिटा भी बढ़कर 2,387.24 लाख रुपए पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष यह 2,228.45 लाख रुपए था। यानी ईबिटा में 7.13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

वहीं कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर 1,264.03 लाख रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 में 1,161.62 लाख रुपए था। इस दौरान कंपनी के मुनाफे में 8.82 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। अगर दूसरी छमाही की बात करें तो कंपनी का प्रदर्शन और भी मजबूत रहा। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में कुल आय 12,118.13 लाख रुपए रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 10,041.40 लाख रुपए के मुकाबले 20.68 रुपए अधिक है। इसी अवधि में ईबिटा बढ़कर 1,193.65 लाख रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष 1,162.19 लाख रुपए था। इसमें 2.71 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कंपनी का शुद्ध लाभ भी वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में बढ़कर 620.46 लाख रुपए हो गया, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में यह 549.07 लाख रुपए था। यानी नेट प्रॉफिट में 13 फीसदी की वृद्धि हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनी की लगातार बढ़ती आय और स्थिर लाभप्रदता भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के संकेत दे रही है।

डेनिश पावर लिमिटेड को 66 केवी पावर ट्रांसफार्मर के डिजाइन और निर्माण के लिए लगभग 8.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात ऑर्डर प्राप्त हुआ

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

जयपुर आधारित प्रमुख ट्रांसफार्मर निर्माण कंपनी दानिश पावर लिमिटेड ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी को एक अंतरराष्ट्रीय इकाई से 66 केवी पावर ट्रांसफार्मर के डिजाइन और निर्माण के लिए लगभग 8.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात ऑर्डर प्राप्त हुआ है।

कारोबारी गतिविधियां: जुलाई 1985 में स्थापित डेनिश पावर लिमिटेड विभिन्न प्रकार के ट्रांसफार्मर बनाती है, जिसमें सौर ऊर्जा संयंत्रों और पवन फार्मों जैसे नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में उपयोग के लिए इन्वर्टर ड्यूटी ट्रांसफार्मर शामिल हैं। कंपनी तेल और शुष्क प्रकार के बिजली और वितरण ट्रांसफार्मर, नियंत्रण रिले पैनल भी बनाती है और सबस्टेशन स्वचालन सेवाएँ प्रदान करती है। कंपनी जयपुर में दो विनिर्माण संयंत्र संचालित करती है, एक सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में और दूसरा महिंद्रा वर्ल्ड सिटी में स्थित है।

'एप्पेलटोन इंजीनियर्स लिमिटेड' को 26.43 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

नई दिल्ली आधारित 'एप्पेलटोन इंजीनियर्स लिमिटेड' स्मार्ट मीटर सहित विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद निर्माण करने वाली विशेषज्ञ कंपनी है। कंपनी को ऊर्जा मीटरों की आपूर्ति के लिए 26,43,20,000/- रुपये का ऑर्डर प्राप्त हुआ है। कंपनी को उम्मीद है कि इससे विकास के नए रास्ते खुलेंगे और विकसित हो रहे स्मार्ट मीटरिंग इकोसिस्टम में इसकी स्थिति मजबूत होगी।

कारोबारी गतिविधियां: 1977 में स्थापित, एप्पेलटोन इंजीनियर्स लिमिटेड स्मार्ट मीटर सहित इलेक्ट्रॉनिक एनर्जी मीटर के निर्माण में विशेषज्ञता रखती है। इसके साथ ही कंपनी ने यूपीएस सिस्टम और उच्च श्रेणी के चार्जर जैसे विभिन्न पावर कंडीशनिंग उपकरणों के साथ-साथ एवीआर, एमसीबी और ट्रांसड्यूसर सहित उत्पादों के अपने विविध पोर्टफोलियो के लिए पहचान कायम की है। शुरुआत में कंपनी कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए स्विच मोड पावर सप्लाई (एसएमपीएस) में विशेषज्ञता रखती थी। तदुपरांत कंपनी ने ऊर्जा प्रबंधन समाधानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए औद्योगिक और उपभोक्त। दोनों जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी उत्पाद रेंज का काफी विस्तार किया है।

कंपनी एक प्रमाणित संगठन है जो स्टैटिक वाट घंटे मीटर, स्मार्ट मीटर, वाटर मीटर, बीपीएल किट, यूपीएस सिस्टम, एलईडी ल्यूमिनरी, बैटरी प्रबंधन प्रणाली, चार्जर, पैक, सॉफ्टवेयर विकास, 4.5 किलोवाट विनियमित आपातकालीन चार्जर, शॉर्ट न्यूट्रल सेक्शन असेंबली, हल्के इन्सुलेटर असेंबली, मॉड्यूलर कैंटिलीवर सिस्टम और ऑटो टेंशनिंग डिवाइस की डिजाइनिंग और आपूर्ति में लगी हुई है। कंपनी बीटूबी सेगमेंट में काम करती है और मुख्य रूप से सरकारी संस्थाओं को उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करती है,जो कंपनी के अधिकांश लेन-देन का हिस्सा हैं।

कंपनी निजी क्षेत्र की उन कंपनियों को भी उत्पाद आपूर्ति करती है, जो विभिन्न उद्योगों में गैर-सरकारी और सरकारी संस्थाओं को सेवा प्रदान करती है। एपेलटोन की विविध उत्पाद श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों की ज़रूरतों को पूरा करती है, जिसमें इलेक्ट्रिक यूटिलिटीज, इंडस्ट्री, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान और घरेलू उपभोक्त। शामिल हैं। कंपनी की प्राथमिक विनिर्माण इकाई ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में 36,000 वर्ग फुट का प्लांट है जो उत्पादन और नवाचार के लिए केंद्रीय केंद्र के रूप में कार्य करती है। एपेलटोन इंजीनियर्स की नोएडा और ओखला, नई दिल्ली में सहायक इकाइयाँ हैं। ये इकाइयाँ विशेष उत्पादन प्रक्रियाओं, गुणवत्ता नियंत्रण और अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को संभालकर प्राथमिक इकाई को पूरक बनाती हैं।

भारतीय शेयर बाजार में उथल-पुथल के बीच प्रॉफिट-टेकिंग जारी रहेगी

दिनांक 19.05.2026 पर निफ्टी फ्यूचर क्लोजिंग प्राइस @ 23605 पॉइंट पर

अगले कारोबार के लिए संभवित निफ्टी फ्यूचर 23737 अंक के मजबूत स्टॉपलॉस के साथ सबसे महत्वपूर्ण स्तर 23533 – 23404 अंक को छू सकता है निफ्टी फ्यूचर में प्रतिं यात्मक के लिए 23808 रुपये का महत्वपूर्ण स्टॉपलॉस के साथ सावधानी की स्थिति....!!!

अब नजर डालते हैं फ्यूचर्स स्टॉक सम्बंधित मूवमेंट पर...!!

रिलायन्स इंडस्ट्रीज (1325) :- रिफायनरी एंड मार्केटिंग सेक्टर की इस अग्रणी कंपनी के शेयर की कीमत फिलहाल 1303 रुपये के आसपास है। 1287 रुपये के सख्त स्टॉपलॉस के साथ यह स्टॉक 1337 से 1344 रुपये के आसपास इस शेयर का मूल्य स्तर दर्ज होने की संभावना है...!! 1350 रुपये पर तेजी का रुख दिखाएगा...!!

निखिल भट्ट
(इन्वेस्टमेंट पॉईंट)

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (946) :- तकनीकी चार्ट के अनुसार 933 रुपये के आसपास सकारात्मक ब्रेकआउट!! 919 रुपये के सपोर्ट से खरीदा जा सकने वाला यह स्टॉक 954 रुपये से 960 रुपये के आसपास मूल्य स्तर दर्ज करने की संभावना है...!!

लोधा डेवलोपर्स (895) :- आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाएँ सेक्टर के शेयर में 909 रुपये से 914 रुपये तक की शॉर्ट टर्म तेजी का रुख दिखाएगा, 860 रुपये के अनुमानित सख्त स्टॉपलॉस का पालन करें!!

इनफोसिस लिमिटेड (1188):- कंप्यूटर - सॉफ्टवेयर और कंसल्टिंग सेक्टर के शेयर में 1197 रुपये से 1203 रुपये तक की शॉर्ट टर्म तेजी का रुख दिखाएगा,1160 रुपये के अनुमानित सख्त स्टॉपलॉस का पालन करें!!

हवेल्ल्स इंडिया (1205) :- 01 रुपये का फेसवैल्यूका फंडामेंटल स्ट्रॉन्ग यह स्टॉक करीब 1189 रुपये स्टॉप लॉस के साथ कंप्यूटर - उपभोक्त। इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के इस स्टॉक में लगभग 1216 रुपये से 1224 रुपये तक लक्ष्य की संभावना है!!!

आईसीआईसीआई बैंक (1246) :- तकनीकी चार्ट प्राइवेट बैंक सेक्टर के इस शेयर पर बिकवाली होने की संभावना के साथ 1274 रुपये से 1280 रुपये के आसपास मूल्य स्तर दर्ज की संभावना है । प्रतिक्रियात्मक के लिए 1280 रुपये का स्टॉपलॉस ध्यान में रखें...!!

एचडीएफसी बैंक (764) :- इस शेयर को 778 रुपये के आसपास ओवरबोट स्थिति दर्ज करते हुए बिकवाली की संभावना के साथ इसकी कीमत 753 रुपये से 746 रुपये के मूल्य स्तर के आसपास की संभावना है...!!! 790 रुपये के स्तर पर एक तेजी का माहोल..!!

नोटः शेयरों में निवेश करने से पूर्व निवेशको को वित्तीय सलाहकार की सलाह लेनी चाहिए।

वित्त वर्ष 2025-26 में सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध लाभ बढ़कर रूपये 10.9 बिलियन पहुंचा, राजस्व रूपये 26 बिलियन पर रहा

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

भारत के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपरों में शामिल सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लिमिटेड ने आज शुद्ध लाभ में साल-दर-साल (YoY) काफी बढ़ोतरी दर्ज की। वित्त वर्ष 2025 में यह रूपये 1.01 अरब था, जो वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर रूपये 10.9 अरब हो गया। कंपनी ने राजस्व में भी बढ़ोतरी दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2025 के रूपये 25.0 अरब से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में रूपये 26.0 अरब हो गया।

कंपनी ने अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करना जारी रखा, और वित्त वर्ष 2026 के आखिर में अपना शुद्ध कर्ज 77% घटाकर रूपये 2.0 बिलियन कर दिया, जबकि वित्त वर्ष 2025 के आखिर में यह रूपये8.8 बिलियन था। शुद्ध ऋण

प्रदीप कुमार अग्रवाल
चेयरमैन एवं पूर्ण-कालिक निदेशक, सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लिमिटेड

अब अपने सबसे निचले ऐतिहासिक स्तर पर है, जो कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति को दिखाता है। 31 मार्च 2026 तक कंपनी के पास रूपये 27.70 बिलियन की नकदी और नकद के बराबर संपत्ति थी, जिससे उसकी भविष्य की विकास योजनाओं को सहारा देने के लिए काफी लिक्विडिटी है; वहीं, साल के दौरान कंपनी की वसूली रूपये 40.1 बिलियन रही।

वित्त वर्ष 2026 के दौरान कंपनी की प्री-सेल्स रूपये 82.5 बिलियन रही, जो उसके रेजिडेंशियल पोर्टफोलियो में लगातार बनी हुई मांग को दिखाती है। प्रीमियम बाजारों में अधिक बिक्री और मुख्य क्षेत्रों में कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से वित्त वर्ष 2025 में रूपये 12,457 प्रति वर्ग फुट रहा औसत बि ी मूल्य वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर रूपये 15,250 प्रति वर्ग फुट हो गया। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंपनी ने रूपये 11.1 बिलियन का राजस्व दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में यह रूपये 5.20 बिलियन था; वहीं कर-पश्चात लाभ (PAT) पिछले साल की इसी तिमाही के रूपये 0.61 बिलियन के मुकाबले बढ़कर रूपये 11.5 बिलियन हो गया।

कंपनी के परफॉरमेंस पर टिप्पणी करते हुए सिग्नेचर ग्लोबल के चेयरमैन एवं पूर्ण-कालिक निदेशक प्रदीप कुमार अग्रवाल ने कहा, 'FY26 सिग्नेचर ग्लोबल के लिए लगातार प्रगति का वर्ष रहा है, जिसकी पहचान बेहतर ऑपरेशनल परफॉर्मेंस और बैलेंस शीट के लगातार मज़बूत होने से हुई है। बिक्री से होने वाली अच्छी आय और मजबूत कलेक्शन हमारे मुख्य मार्केटों में ग्राहकों के लगातार भरोसे और मांग को दर्शाते हैं। इस वर्ष के दौरान हमने एक रणनीतिक संयुक्त उद्यम के माध्यम से कमर्शियल रियल एस्टेट क्षेत्र में प्रवेश करके अपने विकास के दायरे का भी विस्तार किया है; यह हमारी दीर्घकालिक विकास रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है। आगे बढ़ते हुए हम अनुशासित कार्य-निष्पादन, विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन और सभी हितधारकों के लिए स्थायी वैल्यू बनाने पर केंद्रित रहेंगे, साथ ही उच्च-विकास वाले क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करेंगे।'

INDEX		Above / Below	Conf.		Normal Target		On Trending times.		
				T1	T2	T3	T4	T5	T6
NIFTY Spot	For BUY Above	23,670	23,702	23,728	23,754	23,792	23,814	23,891	23,975
	For SELL Below	23,566	23,534	23,508	23,482	23,444	23,422	23,345	23,261
Bk.Nifty Spot	For BUY Above	53,567	53,664	53,743	53,822	53,934	54,002	54,234	54,489
	For SELL Below	53,252	53,155	53,075	52,997	52,884	52,816	52,584	52,329

Data based on Previous day closing — Source: VAISHALI KALA

बिज़नेस रेमेडीज

वर्ष : 4 । अंक : 123

सम्पादकीय

पीएम मोदी की पांच देशों की यात्रा से अर्थव्यवस्था में आएगी सुदृढ़ता

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में पांच देशों यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यात्रा से दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा पूरी होने की उम्मीद है। देश की अर्थव्यवस्था में सुदृढ़ता आ सकेगी। तेल-गैस की कीमतों में स्थिरता आएगी और रणनीतिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इससे भारत का कुल व्यापार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रभाव काफी मजबूत हो सकेगा। यूएई ने भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर और वित्तीय संस्थानों में लगभग 5 अरब डॉलर निवेश की घोषणा की है। इससे निर्माण, लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह, बैंकिंग और ऊर्जा क्षेत्र को पूंजी मिलेगी। इस विदेशी दौरे से भारत के कई उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा। यूएई और नॉर्वे जैसे देशों के साथ ऊर्जा, एलपीजी आपूर्ति और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण को लेकर हुए समझौतों से देश में ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित होगी और तेल की कीमतों को कम किया जा सकेगा। सेमीकंडक्टर और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग नीदरलैंड की उन्नत सेमीकंडक्टर तकनीक और स्वीडन की तकनीकी विशेषज्ञता से भारत के एआई मिशन और सेमीकंडक्टर मिशन को गति मिलेगी। हार्डवेयर, क्वांटम कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े क्षेत्रों में भारत की तकनीकी क्षमता बढ़ेगी। रक्षा और एयरोस्पेस इटली और स्वीडन के साथ रक्षा विनिर्माण और रणनीतिक साझेदारी को लेकर समझौते हुए हैं। इससे भारत के घरेलू रक्षा उद्योग और एयरोस्पेस सेक्टर को नई तकनीक और विदेशी निवेश का लाभ मिलेगा। ग्रीन एनर्जी और पर्यावरण नॉर्वे और स्वीडन के साथ ग्रीन हाइड्रोजन, क्लीन टेक्नोलॉजी और ब्लू इकॉनमी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा है। इससे भारत के रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर को तेजी मिलेगी और टिकाऊ विकास को बल मिलेगा। यह माना जा रहा है कि इस विदेश यात्रा से भारत की अर्थव्यवस्था को करीब पच्चीस हजार करोड़ रुपए का फायदा होने की उम्मीद है।

BR सूचना

इस पृष्ठ पर प्रकाशित सभी विशेष लेख व्यक्तिगत सोच के आधार पर है।
-संपादक

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियां

ललित गर्ग

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों- अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में 'जी-2' यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है

और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर 'चाइना प्लस वन' रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और ब? सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है।

आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रुवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।

प्रोपर्टी

GCC कंपनियों की डिमांड से REIT सेक्टर में नई जान

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज़

देश में ऑफिस स्पेस की डिमांड लगातार बढ़ रही है और इसका सीधा फायदा अब REIT कंपनियों को मिल रहा है। बड़ी कंपनियां तेजी से नए ऑफिस किराए पर ले रही हैं, जिसकी वजह से किराया भी बढ़ रहा है और REIT कंपनियों की कमाई भी मजबूत हो रही है। खासकर GCC यानी विदेशी कंपनियों के बैक-ऑफिस सेंटर, बैंकिंग और फ्लेक्स ऑफिस कंपनियां जमकर ऑफिस स्पेस ले रही हैं। यही वजह है कि देश के लगभग सभी बड़े REITs में ऑक्यूपेंसी 90 प्रतिशत से ऊपर पहुंच चुकी है। अब कंपनियों के पास खाली ऑफिस स्पेस भी कम बचा है।

इसी मजबूत डिमांड को देखते हुए REIT कंपनियां अब तेजी से नए प्रोजेक्ट खरीद रही हैं और अपने पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही हैं। नुवामा की रिपोर्ट के मुताबिक Q4FY26 में REIT सेक्टर का प्रदर्शन काफी मजबूत रहा। किराया बढ़ने और ऑफिस तेजी से लीज पर जाने की वजह से कंपनियों की कमाई में भी अच्छा उछाल देखने को मिला।

ऑफिस स्पेस की डिमांड लगातार बढ़ रही: रिपोर्ट के मुताबिक अभी ऑफिस मार्केट में सबसे ज्यादा डिमांड ग्रेड ए कंपनियों की तरफ से आ रही है। कुल डिमांड में इनकी हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत है। इसके अलावा बैंकिंग, फाइनेंस और फ्लेक्स स्पेस कंपनियां भी तेजी से ऑफिस ले रही हैं। कंपनियों का कहना है कि आने वाले समय में भी डिमांड मजबूत बनी रह सकती है। इसी वजह से अब REIT कंपनियां तेजी से नए ऑफिस प्रोजेक्ट्स जोड़ रही हैं।

किराया बढ़ने से बढ़ी कमाई: ऑफिस की मांग बढ़ने का असर अब किराए पर भी दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अलग-अलग REITs के किराए में सालाना आधार पर 3 प्रतिशत से 13 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। इसका फायदा कंपनियों की कमाई पर भी दिखा। REIT कंपनियों का DPU यानी निवेशकों को मिलने वाला वितरण 5 प्रतिशत से 14 प्रतिशत तक बढ़ा है।

अब तेजी से बढ़ रहा पोर्टफोलियो: मजबूत डिमांड को देखते हुए कंपनियां अब बड़े स्तर पर नए प्रोजेक्ट खरीद रही हैं। कम ब्याज दरों की वजह से कंपनियों को फंड जुटाने में भी आसानी हो रही है। Embassy REIT FY30 तक करीब 6.2 मिलियन स्क्वायर फीट का नया डेवलपमेंट करने की तैयारी में है। वहीं Mindspace REIT ने चेन्नई में बड़े ऑफिस एसेट खरीदे हैं। Brookfield REIT ने बेंगलुरु में नया बड़ा प्रोजेक्ट खरीदा है। Nexus REIT भी अब नए मॉल प्रोजेक्ट्स में निवेश कर रही है। यानी लगभग सभी बड़े REITs इस समय तेजी से विस्तार करने में जुटे हैं।

कंपनियों पर कर्ज का ज्यादा दबाव नहीं: रिपोर्ट में कहा गया है कि REIT कंपनियों की बैलेंस शीट अभी काफी मजबूत है। कंपनियों का कर्ज रेगुलेटरी सीमा से काफी नीचे है। साथ ही उन्हें कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा है, जिससे नए प्रोजेक्ट्स खरीदने में मदद मिल रही है।

आगे भी मजबूत रह सकता है सेक्टर: नुवामा का मानना है कि आने वाले समय में भी ऑफिस स्पेस की मांग मजबूत बनी रह सकती है। खासकर विदेशी कंपनियों के भारत में लगातार विस्तार से REIT सेक्टर को फायदा मिल सकता है। हालांकि ग्लोबल तनाव और बढ़ती बॉन्ड यील्ड जैसे कुछ जोखिम बने हुए हैं, लेकिन फिलहाल सेक्टर का आउटलुक मजबूत नजर आ रहा है। ब्रोकरेज ने सभी REITs पर BUY रेटिंग बरकरार रखी है और Embassy REIT को सबसे पसंदीदा विकल्प बताया है।

बिज़नेस रेमेडीज़

सत्वाधिकारी मुद्रक व प्रकाशक पुनीत जैन द्वारा सीटी-01 वैदिक अपार्टमेंट्स, कापसहेड़ा, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं आदित्य ग्राफिक्स इंक, प्रताप भवन, 5 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से मुद्रित।

संपादक : पुनीत जैन
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)
मो. 9929106227
ई-मेल: remediesbusiness@gmail.com

डिसक्लेमर

बिज़नेस रेमेडीज़ का उद्देश्य अपने पाठकों को व्यापार और विकास से जुड़ी सटीक, उपयोगी और भरोसेमंद जानकारी प्रदान करना है। हम प्रकाशित सामग्री की विश्वसनीयता बनाए रखने का पूरा प्रयास करते हैं, लेकिन किसी लेख में व्यक्त विचार हमेशा संपादकीय टीम की राय से मेल नहीं खा सकते। इसलिए पाठकों से निवेदन है कि किसी भी जानकारी पर आधारित निर्णय लेते समय अपने विवेक का इस्तेमाल करें। प्रकाशित सामग्री के आधार पर लिए गए किसी निर्णय या कार्यवाही की ज़िम्मेदारी यह प्रकाशन नहीं लेता। इस प्रकाशन में दिखाए गए सभी विज्ञापन पूरी तरह से संपादकीय सामग्री से स्वतंत्र होते हैं। विज्ञापनों में किए गए दावों या दी गई जानकारी की पुष्टि या समर्थन बिज़नेस रेमेडीज़ द्वारा नहीं किया जाता। विज्ञापन से संबंधित किसी भी जानकारी या शिकायत की पूरी ज़िम्मेदारी संबंधित विज्ञापनदाता की होगी। यहां प्रकाशित सभी लेख, रिपोर्ट और सामग्री चाहे वे स्टाफ लेखक, समाचार एजेंसियों या अतिथि लेखकों द्वारा दी गई हो, बिज़नेस रेमेडीज़ की बौद्धिक संपदा हैं। बिना पूर्व लिखित अनुमति के किसी भी सामग्री का दोबारा प्रकाशन, वितरण या प्रसारण करना कानूनन वर्जित है।

सदस्यता कूपन

(केवल डाक या ई-मेल से प्राप्त करने के लिए)

अवधि	अंक	सदस्यता शुल्क
1 वर्ष	358	1050

E-mail
remediesbusiness@gmail.com

नामः .....

पताः .....

.....पिनकोड.....

फोनः..... मो. .....

ड्राफ्ट/चैक का विवरणः .....

ई-मेलः .....

बिजनेस रेमेडीज प्राप्त करने के लिए सदस्यता शुल्क बैंक अकाउंट में जमा कराये या सदस्यता फार्म भरकर चैक/डीडी के साथ कार्यालय पर भिजवायें।
Bank Account:- Business Remedies
A/c No. 61233949765 Bank Name: SBI

पताः- सीटी-01 वैदिक अपार्टमेंट्स,कापसहेड़ा, नई दिल्ली
फोनः- 9166611333, 9929106227

#साधारण डाक द्वारा बिजनेस रेमेडीज की डिलीवरी में अनियमितता होने पर बिजनेस रेमेडीज प्रबंधन जिम्मेदार नहीं होगा।

पारदर्शिता एवं सुशासन की दिशा में जेडीए की बड़ी पहल, भूमि के बदले भूमि आवंटन एवं संस्थाओं को भूमि आवंटन की सूचनाएं जेडीए वेबसाइट पर सार्वजनिक

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज़

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के विजन तथा नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी एवं जनोन्मुख बनाने हेतु लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जेडीए द्वारा प्रत्येक स्तर पर तकनीकी नवाचार, सूचना की सार्वजनिक उपलब्धता तथा पारदर्शी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता प्रदान की जा रही है, जिससे आमजन का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो रहा है।

जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि इसी क्रम में जेडीए द्वारा वर्ष 2014 से वर्ष 2026 तक भूमि के बदले भूमि से संबंधित प्रकरणों में आवंटित भूमि का विस्तृत विवरण सार्वजनिक रूप से जेडीए की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। यह पहल प्रशासनिक पारदर्शिता एवं जन जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम मानी जा रही है। वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई जानकारी में संबंधित जोन, योजना का नाम, भूखण्ड संख्या, भूखण्ड की साईज, भूमि उपयोग, प्रोपर्टी आईडी, आवेदक का नाम, आवंटन दिनांक सहित अन्य आवश्यक विवरण सम्मिलित किए गए हैं, जिससे आमजन एवं संबंधित पक्ष आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकें।

इसके अतिरिक्त जेडीए द्वारा शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक सेवा, शोध, प्रशिक्षण, खेल, जनसुविधाओं, समाचार पत्रों एवं अन्य संस्थानिक उपयोग हेतु विभिन्न संस्थाओं को नियमानुसार आवंटित भूमि का विस्तृत रिकॉर्ड भी प्रारंभ से वर्ष 2026 तक वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है। जिससे भूमि आवंटन से संबंधित समस्त जानकारी आमजन की पहुंच में रहे तथा किसी भी प्रकार की भ्रांतियों या अपारदर्शिता की संभावना समाप्त हो।

उल्लेखनीय है की वर्ष 2002 से 2013 तक भूमि के बदले भूमि से संबंधित प्रकरणों की सूचनाओं को भी जेडीए वेबसाइट पर अपलोड करने की प्रक्रिया वर्तमान में प्रगतिरत है। संबंधित अभिलेखों के संकलन एवं तकनीकी प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात उक्त सूचनाएं भी शीघ्र ही आमजन के लिए उपलब्ध करा दी जाएंगी।

जेडीए द्वारा संस्थानिक उपयोग हेतु भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूर्णतः नियमसम्मत, पारदर्शी, निष्पक्ष एवं निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप संपादित की जा रही है। राज्य सरकार की स्पष्ट नीति के अनुसार प्रत्येक आवंटन प्रक्रिया में योग्यता, आवश्यकता, जनहित एवं नियमानुसार पात्रता को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की जाती है। समस्त प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए तकनीकी माध्यमों का अधिकतम उपयोग किया जा रहा है। राजस्थान सरकार की पारदर्शिता एवं जवाबदेही की नीति के अनुरूप जेडीए द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक प्रशासनिक निर्णय स्पष्ट, तथ्यात्मक एवं सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो। भूमि आवंटन से संबंधित सूचनाओं को वेबसाइट jda.rajasthan.gov.in पर प्रदर्शित करना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे आमजन में विश्वास एवं प्रशासन के प्रति सकारात्मक भावना और अधिक मजबूत हुई है। जेडीए का यह प्रयास न केवल सुशासन एवं पारदर्शिता को सुदृ? करेगा, बल्कि संस्थागत विकास को भी नई गति प्रदान करेगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, शोध एवं सामाजिक क्षेत्रों से संबंधित संस्थाओं को भूमि आवंटन के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण सेवाओं का विस्तार होगा।

जयपुर में निर्मित, पूरी दुनिया में मशहूरः एमेजॉन ग्लोबल सेलिंग पर लैदर विलेज की कहानी

बिज़नेस रेमेडीज

जब राहुल गुप्ता ने जयपुर के एक छोटे से गैराज में लैदर विलेज शुरू किया था, तब वो केवल एक और स्टेशनरी ब्रांड का विकास नहीं कर रहे थे। बल्कि वो ऐसे प्रोडक्ट बनाना चाहते थे, जो समय के दायरे से बढ़कर हों तथा व्यक्तिगत और ऑथेंटिक महसूस हों। आज लैदर विलेज एमेजॉन ग्लोबल सेलिंग के माध्यम से पूरी दुनिया में हाथों से बनी एग्जिक्यूटिव नोटबुक और जर्नल बेचती है। एक छोटी की टीम के साथ शुरू हुआ यह सफर आज एक बड़े व्यवसाय में तब्दील हो गया है, जो हर महीने 30,000 यूनिट्स की शिपिंग करता है, लेकिन इसकी जडें जयपुर की कारीगरी की संस्कृति में जमी हुई हैं। लैदर की हस्तनिर्मित कारीगरी के साथ प्रीमियम स्टेशनरी बनाकर इस ब्रांड ने विंटेज फिनिश,

लैदर विलेज के फाउंडर, राहुल गुप्ता

रिसाईकल्ड कॉटन पेपर और समझदार डिटेलिंग के साथ अपनी एक अलग पहचान बना ली है। लैदर विलेज के फाउंडर, राहुल गुप्ता ने कहा कि हम कुछ ऐसा बनाना चाहते थे, जो लोग एक बार इस्तेमाल करके भूल न जाएं, बल्कि सालों तक अपने साथ रखें।

जयपुर में क्राफ्ट की संस्कृति से प्रेरित : इस ब्रांड की पहचान को आकार देने में जयपुर की बड़ी भूमिका रही है। यह शहर हाथों से बने क्राफ्ट की अपनी परंपरा के लिए मशहूर है। चाहे

लैदरवर्क हो, टैक्सटाईल, हाथों से बने पेपर या कारीगरी, हर हुनर पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ता रहता है। ऐसे वातावरण में पले-बड़े राहुल को प्रोडक्ट और डिजाईन का विचार स्वाभाविक रूप से मिला। इसलिए लैदर विलेज ने सामान्य नोटबुक नहीं बनाई, बल्कि ऐसे जर्नल बनाए, जो कारीगरी और व्यक्तिगत पहचान को प्रदर्शित करते हैं। ये प्रोडक्ट प्रोफेशनल्स, ट्रैवलर्स, आर्टिस्ट और गिफ्ट देने वाले यूजर्स के साथ अलग-अलग तरह के ग्राहकों के लिए बनाए गए। यह ब्रांड बहुउपयोगिता पर ध्यान केंद्रित करता है। इसके जर्नल का उपयोग लिखने, स्केच करने, जर्नल बनाने, आर्ट या उपहार देने के लिए किया जा सकता है। इससे लैदर विलेज को हाथों की कारीगरी को बनाए रखते हुए व्यापक ग्राहक वर्ग तक पहुँचने में मदद मिली। राहुल ने कहा, ''जर्नल की श्रेणी में बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा है। इसलिए हम बाजार में जो पहले से उपलब्ध है, उसकी कॉपी करना नहीं चाहते थे, बल्कि हम कुछ ओरिजनल बनाना चाहते थे।''

पहले दिन से ही ग्लोबल विचार रखा : आमतौर से छोटे बिजनेस पहले स्थानीय स्तर पर बिजनेस जमाते हैं, उसके बाद वो विश्व में विस्तार करने की सोचते हैं। लेकिन लैदर विलेज ने पहले दिन से ही ग्लोबल मानसिकता रखी। राहुल को विश्वास था कि विंटेज स्टाईल से प्रेरित ब्रांड के जर्नल उत्तर अमेरिका और यूरोप के ग्राहकों को बहुत ज्यादा पसंद आएंगे क्योंकि इन जगहों पर हाथों से बने प्रोडक्ट्स और कारीगरी की मांग लगातार बढ़ रही थी।

उनके बिजनेस में टर्निंग पॉईंट तब आया, जब लैदर विलेज ने एमजॉन ग्लोबल सेलिंग के माध्यम से सेल करना शुरू किया। पहले बैच में कंपनी ने केवल 50 यूनिट बेचीं, जिसका उन्हें बहुत शानदार रिस्पॉन्स मिला। उनके सारे प्रोडक्ट एक ही दिन में बिक गए। तुरंत मिली सफलता से राहुल को आत्मविश्वास मिला कि उनके बिजनेस में ग्लोबल विस्तार करने की जबरदस्त क्षमता है। जल्द ही उन्हें मिलने वाले ऑर्डर तेजी से बढ़ने लगे। 50 यूनिट का शिपमेंट बढ़कर 100 यूनिट पर, फिर 200 यूनिट पर और धीरे-धीरे कई सौ यूनिट्स प्रतिदिन तक पहुँच गया। एमेजॉन ग्लोबल सेलिंग ने अंतर्राष्ट्रीय बिजनेस के साथ आने वाली कई चुनौतियों को बहुत आसान बना दिया। लॉजिस्टिक्स, पेमेंट्स, ग्राहकों का विश्वास और मार्केटप्लेस की पहुँच को एमेजॉन ग्लोबल सेलिंग ने संभाल लिया, जिससे कंपनी को प्रोडक्ट के विकास और ब्रांड की वृद्धि पर अपना ध्यान केंद्रित करने में मदद मिली। राहुल ने कहा कि हमने जब एक्सपोर्ट शुरू किया था, तब एमेजॉन ग्लोबल सेलिंग ने हमें इतनी तेजी से पूरे विश्व के ग्राहकों तक पहुँच प्रदान की, जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की थी। उनकी मदद से हम ऑपरेशन की मुश्किलों की बजाय प्रोडक्ट के विकास पर अपना ध्यान केंद्रित कर पाए।

ब्रिटिश विदेश मंत्री की चेतावनी, 'होर्मुज बंद होने से खाद्य संकट की ओर बढ़ रही है दुनिया'

लंदन | एजेंसी

ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेत कूपर ने चेतावनी दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहने की वजह से दुनिया 'वैश्विक खाद्य संकट की ओर बढ़ रही है।' मंगलवार को ग्लोबल पार्टनरशिप्स कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि खाड़ी देश उर्वरक के बड़े वैश्विक आपूर्तिकर्ता हैं और ईरान के साथ जारी संघर्ष के कारण समुद्री आवागमन बाधित होने से खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है। उन्होंने विश्व खाद्य कार्यक्रम के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि अगर ईरान संघर्ष इस साल के मध्य तक खत्म नहीं हुआ, तो लगभग 4.5 करोड़ और लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का शिकार हो सकते हैं। कूपर ने कहा कि दुनिया एक वैश्विक खाद्य संकट की तरफ बढ़ रही है। हम यह जोखिम नहीं उठा सकते कि एक देश अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग को बाधित कर दे और इसकी वजह से करोड़ों लोग भूखे रहने को मजबूर हो जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि होर्मुज को बंद रखने से वैश्विक खाद्य और ईंधन आपूर्ति पर असर पड़ रहा है। इससे जीवनयापन की लागत भी बढ़ रही है। ब्रिटेन ने इस जलमार्ग को तुरंत और बिना किसी रोक-टोक के खोलने की मांग दोहराई है। साथ ही 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज मल्टीनेशनल मिशन' को आगे बढ़ाने की बात भी कही है, ताकि समुद्री मार्ग को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने कहा कि यह संकट केवल विकासशील देशों को ही नहीं, बल्कि विकसित देशों, निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों को प्रभावित कर रहा है। इसके चलते वैश्विक साझेदारी और अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए नई रणनीति की जरूरत महसूस हो रही है।

सोनी मैक्स लेकर आ रहा है 'सितारे ज़मीन पर' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर 31 मई को

मुंबई | बिज़नेस रेमेडीज

थियेटर और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ज़बरदस्त सफलता के बाद, आमिर खान स्टारर सितारे ज़मीन पर अब अपने वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर के लिए तैयार है। यह फिल्म रविवार, 31 मई को दोपहर 1 बजे सोनी मैक्स पर प्रसारित होगी। हंसी, खुशी और भावनाओं से भरपूर यह कहानी देशभर के परिवारों को एक साथ बैठकर देखने का मौका देगी। सितारे ज़मीन पर ने अपनी सच्ची और सरल कहानी से दर्शकों के दिलों को छुआ। इसने दिखाया कि हर परिवार की अपनी अलग पहचान और गर्माहट होती है 'सबका अपना नॉर्मल।' फिल्म ने इन अहम मुद्दों

पर बातचीत शुरू की और परिवारों के बीच जुड़ाव और अपनापन को खूबसूरती से दिखाया। फिल्म में साथ रहने और साथ निभाने की भावनाओं को जिस तरह से दिखाया गया है, उसने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया।

फिल्म के केंद्र में आमिर खान का यह विश्वास है कि बच्चों और उनकी भावनाओं को कहानियों में सबसे पहले रखा जाना चाहिए। यही सोच सोनी मैक्स आगे बढ़ा रहा है, ताकि परिवार मिलकर इस फिल्म का अनुभव कर सकें। सितारे ज़मीन पर की कहानी है गुलशन अरोड़ा की, जो एक बास्केटबॉल कोच है। उसकी जिंदगी अचानक बदल जाती है जब एक ड्रंक-ड्राइविंग हादसे के बाद उसे कम्युनिटी सर्विस करनी पड़ती है। सज़ा के हिस्से के तौर पर उसे न्यूरोडाइवर्जेंट खिलाड़ियों की टीम को बास्केटबॉल टूर्नामेंट के लिए ट्रेन करने की ज़िम्मेदारी दी जाती है। जो शुरुआत में एक मजबूरी थी, वही आगे चलकर उसकी जिंदगी का सबसे गहरा और व्यक्तिगत सफ़र बन जाती है।

अब 20 साल तक टिकाऊ रहेगा इंटीरियर, ग्रीनप्लाई ने खास HDMR बोर्ड लॉन्च किया

नई दिल्ली|बिज़नेस रेमेडीज

Greenply Industries Limited ने अपने Greenply 710 HDMR HDF बोर्ड पर 20 साल की वारंटी देने की घोषणा की है। कंपनी का दावा है कि इंजीनियर्ड वुड पैनल कैटेगरी में यह देश की पहली ऐसी पहल है, जो लंबे समय तक टिकाऊपन, मजबूती और भरोसेमंद प्रदर्शन सुनिश्चित करेगी। पिछले कुछ वर्षों में HDF बोर्ड्स ने भारतीय घरों और कमर्शियल स्पेस के इंटीरियर डिज़ाइन में तेजी से अपनी जगह बनाई है। मॉड्यूलर फर्नीचर, मॉडर्न किचन, वार्डरोब और प्रीमियम इंटीरियर प्रोजेक्ट्स में इनका इस्तेमाल लगातार बढ़ा है।

ऐसे में ग्राहक अब केवल आकर्षक डिजाइन ही नहीं, बल्कि नमी से सुरक्षा, स्ट्रक्चरल मजबूती और लंबे समय तक टिकाऊ प्रदर्शन को भी प्राथमिकता दे रहे हैं।

ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, सनिध्य मित्तल ने कहा कि यह 20 साल की वारंटी सिर्फ एक वादा नहीं है। यह ग्रीनप्लाई 710 एचडीएमआर की गुणवत्ता और मजबूती पर हमारे भरोसे को

दर्शाती है। इसे बदलते ट्रेंड्स, रोज़मर्रा के इस्तेमाल और समय की कसौटी को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि ग्राहकों को सुंदरता और लंबे समय तक टिकाऊपन के बीच कभी समझौता न करना पड़े।

आधुनिक भारतीय इंटीरियर्स की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया ग्रीनप्लाई 710 एचडीएमआर एचडीएफबोर्ड लंबे समय तक मजबूती, बेहतर फिनिश और लगातार अच्छा प्रदर्शन देने के लिए बनाया गया है। यह मॉड्यूलर किचन, वार्डरोब, बाथरूम कैबिनेट, ऑफिस वर्कस्टेशन, दुकान के फिक्स्चर, वॉल पैनलिंग और अन्य सजावटी व व्यावसायिक उपयोगों के लिए उपयुक्त है।

आर्किटेक्ट्स और इंटीरियर डिज़ाइनर्स के लिए यह प्रोडक्ट बारीक डिज़ाइनिंग, साफ-सुथरी फिनिश और लैमिनेट, वीनियर, पेंट्स व अन्य सजावटी सतहों के साथ बेहतर मेल देता है। वहीं कॉन्ट्रैक्टर्स और फैब्रिकेटर्स को आसान कटिंग, साफ किनारे, कम टूट-फूट और लंबे समय तक भरोसेमंद मजबूती का फायदा मिलता है। यह प्रोडक्ट प्रोड-आईक्यू नियो टेक से पावर्ड है, जो सीम्पलकैम्प के साथ मिलकर विकसित की गई जर्मन तकनीक है। इसकी खास माइक्रोफाइबर संरचना अधिक नमी वाले वातावरण में भी मजबूती और स्थिरता बनाए रखती है।

गप्पू के संस्थापक अनिरबन भट्टाचार्य और पल्लब घोष का सफर

बढ़ता हुआ मेड इन इंडिया म्यूजिक ब्रांड शुरू कर बनाया मुकाम

Emerging Entrepreneur

जयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

बढ़ता हुआ मेड इन इंडिया म्यूजिक ब्रांड गप्पू वर्ष,2021 में शुरू कर अनिरबन भट्टाचार्य और पल्लब घोष ने अपना मुकाम बनाया है। उन्होंने इंडियन म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट मार्केट में इस सोच के साथ कदम रखा कि वे प्रीमियम-क्वालिटी वाले परकशन इंस्ट्रूमेंट्स बनाएं जो सस्ते हों और गर्व से इंडिया में बने हों। कोलकाता में शुरू हुआ गप्पू एक खास म्यूजिक स्टार्टअप के तौर पर शुरू हुआ था, जिसका फोकस इंडियन म्यूज़िशियंस की एक आम प्रॉब्लम को सॉल्व करने पर था। मार्केट में मिलने वाले ज्यादातर अच्छी क्वालिटी वाले परकशन इंस्ट्रूमेंट्स या तो इम्पोर्टेड और महंगे थे या उनमें इयूरेबिलिटी और सही साउंड क्वालिटी की कमी थी। फाउंडर्स ने अलग-अलग एज ग्रुप्स के म्यूज़िशियंस के लिए डिजाइन, पोर्टेबिलिटी और परफॉर्मेंस को मिलाकर हाथ से बने इंस्ट्रूमेंट्स बनाकर इस कमी को पूरा करने का मौका देखा। कंपनी ने धीरे-धीरे काजोन, बोंगो,

टैम्बोरिन, लकड़ी के शेकर, ट्रैवल काजोन, प्रैक्टिस पैड, गिटार, यूकुलेल और रिदम इंस्ट्रूमेंट्स की एक रेंज के जरिए अपनी पहचान बनाई, जो नए लोगों, शौकिया म्यूज़िशियन, स्कूल और लाइव परफॉर्मर के लिए थे। गप्पू ने कारीगरी और प्रोडक्ट की खूबसूरती पर बहुत ध्यान दिया, जिससे उसके इंस्ट्रूमेंट्स देखने में अच्छे लगने लगे और प्रोफेशनल साउंड क्वालिटी बनी रहे। फाउंडर का मानना था कि म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट्स न सिर्फ अच्छे लगने चाहिए बल्कि मॉडर्न भी लगने चाहिए और युवा दर्शकों को आसानी से समझ आने चाहिए, जो तेजी से भारत के बढ़ते इंडिपेंडेंट म्यूज़िक कल्चर का हिस्सा बन रहे थे। बिजनेस को बढ़ाने से पहले अनिरबन भट्टाचार्य और पल्लब घोष ने म्यूज़िक इंडस्ट्री में कस्टमर के व्यवहार को समझने में काफी समय बिताया। उन्होंने देखा कि आज के म्यूज़िशियन हल्के और पोर्टेबल इंस्ट्रूमेंट पसंद करते हैं, जिन्हें जैम सेशन, ट्रैवल परफॉर्मेंस और कैज़ुअल गैदरिंग के लिए आसानी से ले जाया जा सके। इस जानकारी ने कंपनी की प्रोडक्ट स्ट्रैटेजी को आकार दिया और गप्पू को बड़े पैमाने पर अनऑर्गनाइज्ड भारतीय परकशन मार्केट में अलग दिखने में मदद की। कंपनी के सबसे जाने-माने प्रोडक्ट में से एक जैम बॉक्स बन गया, जिसने कथित तौर पर बिजनेस के कुल रेवेन्यू में एक बड़ा हिस्सा दिया।

कंपनी ने ब्रांडिंग और प्रेजेंटेशन पर दिया जोर

जैसे-जैसे डिमांड बढ़ी गप्पू ने डायरेक्ट ऑनलाइन सेल्स से आगे बढ़कर डिस्ट्रीब्यूटर्स और ऑफलाइन रिटेल स्टोर्स के जरिए अपनी मौजूदगी को मजबूत किया। कंपनी ने ब्रांडिंग और प्रेजेंटेशन पर भी जोर दिया और खुद को सिर्फ एक और इंस्ट्रूमेंट बनाने वाली कंपनी के बजाय एक लाइफस्टाइल ओरिएंटेड म्यूज़िक ब्रांड के तौर पर पेश किया। इस अप्रोच से स्टार्टअप को म्यूज़िक के शौकीनों और शुरुआती इन्वेस्टर्स का ध्यान खींचने में मदद मिली। बाद में रिपोर्ट्स में बताया गया कि कंपनी ने साल-दर-साल लगभग 100 फीसदी ग्रोथ हासिल की, जो भारत में लोकल तौर पर बने म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट्स की बढ़ती डिमांड को दिखाता है। गप्पू के सफर में सबसे बड़ा माइलस्टोन शार्क टैंक इंडिया सीजन 5 में उसकी अपीयरेंस के साथ आया। पिच के दौरान फाउंडर्स ने 1 फीसदी इक्विटी के लिए 30 लाख रुपए मांगे, जिससे कंपनी की वैल्यू 30 करोड़ रुपए हो गई। उन्होंने बताया कि कैसे इंडिया की क्रिएटर इकॉनमी और इंडिपेंडेंट म्यूज़िक सीन इंडियन इंस्ट्रूमेंट ब्रांड्स के लिए नए मौके बना रहे हैं। शार्क्स ने कंपनी की मेड-इन-इंडिया पोजिशनिंग और परकशन प्रोडक्ट्स पर उसके फोकस में दिलचस्पी दिखाई। पिच के दौरान शेयर किए गए डेटा के मुताबिक कंपनी ने एफवाई 22-23 में 31 लाख रुपए, एफवाई23-24 में 39 लाख रुपए और एफवाई 24-25 में 52 लाख रुपए का रेवेन्यू जेनरेट किया, जो साल दर साल लगातार ग्रोथ दिखाता है।

फंडिंग और एक्सपोजर से कंपनी की ब्रांड पहचान हुई मजबूत

बातचीत के बाद अमित जैन ने 3 फीसदी इक्विटी के लिए 10 लाख रुपए और तीन साल के लिए 12 फीसदी ब्याज पर 20 लाख रुपए का कर्ज देने का ऑफर दिया। फाउंडर्स ने डील मान ली और शार्क टैंक इंडिया में आने से गप्पू को पूरे देश में पहचान मिली। फंडिंग और एक्सपोजर से कंपनी की ब्रांड पहचान मजबूत हुई और साथ ही इन्वेंट्री बढ़ाने, मार्केटिंग और बिजनेस ग्रोथ के प्लान को भी सपोर्ट मिला।

गप्पू अभी काम कर रहा है और ऑनलाइन और ऑफलाइन चैनलों के जरिए अपने म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट्स बेच रहा है। इस स्टार्टअप ने पारंपरिक कारीगरी को मॉडर्न ब्रांडिंग के साथ मिलाकर भारत के बढ़ते म्यूज़िक इकोसिस्टम में धीरे-धीरे अपनी जगह बनाई है, जिससे यह साबित होता है कि भारत में बने परकशन इंस्ट्रूमेंट्स उस मार्केट में कामयाबी से मुकाबला कर सकते हैं, जहां लंबे समय से इम्पोर्टेड प्रोडक्ट्स का दबदबा रहा है।

टाटा एआईए लाइफ ने वित्त वर्ष 26 में पॉलिसीधारकों के लिए अब तक का सबसे बड़ा 2,173 करोड़ का बोनस घोषित किया

मुंबई | बिज़नेस रेमेडीज

भारत की एक अग्रणी जीवन बीमा कंपनी, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने अपने पार्टिसिपेटिंग (पार) पॉलिसीधारकों के लिए 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष में 2,173 करोड़ के अपने अब तक के सबसे अधिक बोनस भुगतान की घोषणा की है। इस भुगतान से 8.74 लाख से अधिक पॉलिसियों को सीधा फायदा होगा। यह पिछले वर्ष के 1,842 करोड़ की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है, और कंपनी के इतिहास में सबसे बड़ी बोनस घोषणा है।

यह बोनस सभी योग्य पार्टिसिपेटिंग बीमा प्लान्स पर दिया गया है। यह फैसला टाटा एआईए के उस मजबूत भरोसे को फिर से दिखाता है, जिसके तहत वे ग्राहकों के परिवार को सुरक्षा देने के साथ-साथ उनके

TATA AIA LIFE INSURANCE

भविष्य के बड़े आर्थिक लक्ष्यों को पूरा करने में हमेशा साथ निभाते हैं। अन्य पार्टिसिपेटिंग प्लान्स के अलावा, कंपनी ने अपने कुछ सबसे प्रमुख प्लान्स के लिए भी इस बोनस का ऐलान किया है, जैसे कि टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस स्मार्ट वैल्यू इनकम प्लान, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान, टाटा एआईए शुभ महा लाइफ, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस डायमंड सेविंग्स प्लान और टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस वैल्यू इनकम प्लान। पार्टिसिपेटिंग इंश्योरेंस प्लान्स, जिन्हें आमतौर पर 'पार' प्लान कहा जाता है, ऐसी लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियां होती हैं जो बोनस के रूप में पॉलिसीधारकों के साथ कंपनी का मुनाफा साझा करती हैं। पॉलिसीधारकों के लिए, यह बोनस घोषणा उनके दीर्घकालिक वित्तीय कमिटमेंट का एक वास्तविक इनाम है। चाहे बच्चों के भविष्य के लिए बचत करना हो, रिटायरमेंट की प्लानिंग करनी हो, नियमित आय का जरिया बनाना हो, या परिवार के लिए सुरक्षा कवच तैयार करना हो–पार्टिसिपेटिंग प्लान्स जीवन की सुरक्षा के साथ-साथ अनुशासित तरीके से धन बढ़ाने का एक बेहतरीन तालमेल पेश करते हैं। यह रिकॉर्ड बोनस टाटा एआईए की वित्तीय मजबूती और अनुशासित फंड मैनेजमेंट का सीधा प्रमाण है। 31 मार्च, 2026 तक कंपनी की संपत्तियां सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 1,45,617 करोड़ हो गई हैं, जिससे पॉलिसीधारकों को लगातार और जिम्मेदारी से आगे बढ़ने वाली कंपनी से जुड़ने का फायदा मिल रहा है।

टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के अपॉइंटेड एक्चुअरी, क्षितिज शर्मा ने कहा कि हमें अपने पार्टिसिपेटिंग पॉलिसीधारकों के लिए रिकॉर्ड बोनस भुगतान का एक और शानदार साल घोषित करते हुए बहुत गर्व हो रहा है। यह रिकॉर्ड बोनस घोषणा टाटा एआईए की अनुशासित निवेश रणनीति, दूरदर्शी फंड मैनेजमेंट और हमारे पॉलिसीधारकों को दीर्घकालिक मूल्य प्रदान करने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम अपने पॉलिसीधारकों के उस भरोसे का सम्मान करने के लिए पूरी तरह केंद्रित हैं जो वे हम पर रखते हैं।

टाटा पावर और ड्रूक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मुंबई/थिम्पू | एजेंसी

भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनियों में से एक, टाटा पावर, और भूटान की एकमात्र बिजली उत्पादन कंपनी, ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन ने कौशलों को सिखाने और सुधारने का एक बड़ा ढांचा तैयार करने के लिए भूटान के थिम्पू में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन एक व्यवस्थित ट्रेनिंग सिस्टम की नींव रखता है। इसका उद्देश्य एक ऐसा वर्कफोर्स तैयार करना है जो भविष्य की जरूरतों के लिए पूरी तरह तैयार हो। यह वर्कफोर्स दोनों कंपनियों की साझेदारी में बनने वाले क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स के लिए तुरंत और

आगे आने वाले समय में काम आएगी।

समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह भूटान के माननीय प्रधान मंत्री, ल्योंछेन शेरिंग टोबगे की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस समझौता ज्ञापन पर टाटा पावर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक, डॉ. प्रवीर सिन्हा और डीजीपीसी के प्रबंध निदेशक, दाशो छेरिंग रिनजिन द्वारा औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए। समारोह में टाटा पावर की प्रेसिडेंट- जनरेशन, अंजली पांडे के साथ-साथ टाटा पावर, डीजीपीसी और संबंधित संस्थानों के अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। यह ट्रेनिंग प्रोग्राम 'टाटा पावर स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट' के जरिए दिए जाएंगे। यह संस्थान बिजली क्षेत्र में ट्रेनिंग देने के अपने खास अनुभव और महारत का इस्तेमाल करेगा।

टाटा पावर के सीईओ और प्रबंध निदेशक डॉ. प्रवीर सिन्हा ने कहा कि डीजीपीसी के साथ यह साझेदारी भूटान के तेजी से बढ़ते स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक भविष्य के लिए तैयार टैलेंट इकोसिस्टम बनाने के हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाती है। पावर सेक्टर की ट्रेनिंग में अपने बेहतरीन ट्रैक रिकॉर्ड का इस्तेमाल करते हुए, टाटा पावर स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऐसे प्रोफेशनल्स तैयार करेगा जो सुरक्षित संचालन, नई तकनीकों और ऑपरेशंस व मेंटेनेंस में पूरी तरह निपुण होंगे।

भारत का आर्किड स्वर्ग कहा जाता है अरुणाचल प्रदेश को

बिज़नेस रेमेडीज/
अरुणाचल प्रदेश

भारत के हिल स्टेशन में अरुणाचल प्रदेश के हिल स्टेशन एक खास भूमिका अदा करते हैं। ऐसे में अगर आप इन सर्दियों में हिल स्टेशन घूमने का प्लान कर रहे हैं तो यहां जा सकते हैं। विविध प्रकार की वनस्पति और जीव-जंतु अरुणाचल प्रदेश की मुख्य विशेषता है। वास्तव में इस प्रदेश की यात्रा एक जादुई एहसास कराती है और दिल में हमेशा-हमेशा के लिए जगह बना लेती है।

आर्किड का स्वर्ग

अरुणाचल प्रदेश को भारत का आर्किड स्वर्ग भी कहते हैं। यहां 500 से ज्यादा प्रजाति के आर्किड पाए जाते हैं, जो कि पूरे भारत में पाए जाने वाली आर्किड प्रजाति का आधा है। इनमें से कुछ दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजाति के आर्किड भी हैं। अरुणाचल प्रदेश और उसके आसपास मुख्य पर्यटन स्थल।

'इटानगर' किलो का शहर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर भी हिल स्टेशन के रूप में प्रसिद्ध है। यह इलाका कई ट्रेकिंग वे के लिए जाना जाता है। ईटानगर में सर्दियों में घूमने का अलग ही मजा है। ईटानगर में पर्यटक ईटा किला भी देख सकते हैं। इस किले का निर्माण 14-15वीं शताब्दी में किया गया था। इसके नाम पर ही इसका नाम ईटानगर रखा गया है। यहां बना इटा किला पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इसके अलावा गोम्पा बौद्ध मंदिर, ईटानगर संग्राहलय जैसे यहां कई आकर्षण हैं। यहां जाने के लिए गुवाहाटी से पर्यटक हवाई सफर या फिर बस सफर को चुन सकते हैं।

'पासीघाट' वॉटर स्पोर्ट

पासीघाट अरुणाचल प्रदेश राज्य के पूर्वी सियांग जिले में 1911 के दौरान स्थापित किया गया एक नगर है। पर्यटकों के बीच यह जगह वॉटर स्पोर्ट के लिए काफी पॉपुलर है। समुद्रतल से 155 मीटर की ऊंचाई पर बने पासीघाट की मनोरम पहाड़ियों में घूमना काफी अच्छा लगता है। फोटोग्राफी के लिए सिआंग नदी के किनारे घनी हरियाली का नजारा बहुत ही खूबसूरत लगता है। यहां जंगली वन्यजीव अभयारण्य, मॉलिंग नेशनल पार्क और जेनगिंग आदि रोमांचक जगहें हैं।

विश्व धरोहर स्थल 'जीरो'

अगर आप विश्व धरोहर स्थल और खूबसूरत हिल स्टेशन घूमना चाहते हैं तो फिर अरुणाचल प्रदेश का जीरो एक अच्छी जगह सबित होगा। जीरो का सुंदर पाइन ग्रोव बेहद खूबसूरत पिकनिक स्थल है। जीरो हिल स्टेशन इटानगर से 115 किलोमीटर के दायरे में फैला है। यह जितना ज्यादा खूबसूरत है उतना ही पयर्टकों की भीड़ कम होने से शांत रहता है। इतना ही नहीं जीरो में ब्यूटी हाई एल्टीट्यूड फिश फार्म देखे जा सकते हैं।

तवांग 'रहस्यमयी और जादुई खूबसूरती'

तवांग भारत के अरुणाचल प्रदेश में पहाड़ों के बीच में बसा है। तवांग काफी छोटा जिला है लेकिन इसकी रहस्यमयी और जादुई खूबसूरती देखते ही बनती है। यहां की सुंदर वादियों में घूमने का एक अलग ही मजा है। यहां सूर्योदय के समय निकलने वाली पहली किरणों के बीच बर्फ से ढकी चोटियां बेहद खूबसूरत लगती हैं। यहां पर पर्यटकों को घूमने के दौरान धर्म और संस्कृति का एक अनोखा रूप देखने को मिलता है।

अरुणाचल प्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म

अगर आपको एडवेंचर पसंद है तो फिर अरुणाचल प्रदेश में आपके लिए काफी अवसर हैं। ट्रेकिंग, रीवर राफ्टिंग और एंगलिंग यहां की तीन प्रमुख एडवेंचर गतिविधियां हैं। अरुणाचल प्रदेश के कई स्थान ट्रेकिंग के लिए काफी उपयुक्त हैं। यहां ट्रेकिंग करने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मई तक रहता है। रीवर राफ्टिंग ट्रिप का अयोजन कमेंग, सुबनसिरी, दिबांग और सियांग नदी पर किया जाता है। साथ ही एंगलिंग उत्सव का आयोजन भी पूरे राज्य में होता है।

बोट से बैकवाटर के रोमांचक नजारे देखने के लिए करें केरल की यात्रा

बिज़नेस रेमेडीज/केरल

केरल का नाम सुनते ही हमारे दिल में विश्व में प्रसिद्ध बैकवाटर में घूमने की इच्छा जाग्रत होने लगती हैं। यहाँ के समुद्री तट के साथ-साथ झील, नहरे, और लैगून आदि के आकर्षक नजारे हैं। बैकवाटर में हाउस बोट में घुमते हुए केले के पत्ते पर भोजन करना और नारियल पानी पीना और उसकी मलाई को खुरच कर खाना वाकई दिलचस्प हैं। बैकवाटर में घूमना एक सपने के सच होने जैसा महसूस होता हैं। हाउसबोट क्रूज़ पर जाना और दिल खोलकर मस्ती करना केरला की यात्रा पर आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर खींचता हैं। मीठे पानी का सबसे प्रमुख स्रोत बैकवाटर हैं जो कि समुद्री वनस्पति और जीवों का एक विशाल और आकर्षक स्थान बन गया हैं। केरल में हाउसबोट्स, डोंगी नावें और एसडब्ल्यूटीडी द्वारा सार्वजनिक घाट आदि हैं। हाउसबोट कासरगोड, कोट्टायम, अलाप्पुझा, कोल्लम, त्रिशूर और एर्नाकुलम में उपलब्ध हैं। हाउसबोट लगभग 4-5 पर्यटकों की मेजबानी कर सकती है। इसके अलावा इनमें लगने वाला शुल्क मौसम और सीजन के अनुसार कम-ज्यादा होता रहता हैं। लेकिन औसत शुल्क लगभग 6000 से 45000 के मध्य होता है।

कैनो बोट्स या केट्टुवलम के माध्यम से आप गांव की यात्रा पर जा सकते हैं। डोंगी में 5-6 लोग सवार हो सकते हैं और 3-4 घंटे की धीमी यात्रा कर सकते हैं। डोंगी का किराया लगभग 400-1000 रूपए प्रति व्यक्ति होता है। केरल राज्य जल परिवहन विभाग द्वारा नाव घाट और (नाव जेट्टी) से नियमित अंतराल पर नौकाएँ चलाई जाती हैं। इनका किराया भी काफी कम होता है।

खूबसूरत अलेप्पी-आलप्पुझा : केरल के अलेप्पी और इससे जुड़े बैकवाटर सर्वाधिक चर्चित हैं। बैकवाटर झीलों की भूलभुलैया और मीठे पानी की नदियों के इस शहर अलेप्पी को पूरब का वेनिस भी कहा जाता है। अलेप्पी भारत के प्रमुख पर्यटक स्थलों में से एक है। इसका नाम आलप्पुझा भी है जो केरल का सबसे पुराना शहर है। इस शहर में जलमार्ग के कई गलियारे हैं जो वास्तव में एक स्थान से दूसरे स्थान जाने में मदद करते हैं।

वेम्बनाड : विख्यात वेम्बनाड खूबसूरत झील एक प्रमुख बैकवाटर स्थल बन गया है। कोट्टयम कीअनेक नदियां और नहरें इसमें आकर गिरती हैं। पिकनिक के लिए यह खूबसूरत स्थल है। इस इलाके में बोटिंग, मछली पकड़ने और दृश्य-दर्शन के अनेक बेहतरीन विकल्प उपलब्ध हैं। कुमरकम टूरिस्ट ग्राम में कई हाउस बोटिंग और हॉलिडे पैकेज उपलब्ध हैं। कुमरकम गांव वेम्बनाड झील में छोटे-छोटे द्वीपों का समूह है और कुट्टनाड इलाके का एक भाग है। यहाँ का पक्षी अभ्यारण्य जो लगभग 14 एकड़ में फैला हुआ है, प्रवासी पक्षियों की पसंदीदा जगह है और पक्षी विज्ञानियों के लिए तो स्वर्ग की तरह है।

आलप्पुषा कैनाल : देशी नौका लें या विशाल हाउसबोट, वेम्बनाड झील से जुड़ा आलप्पुषा के विशाल कैनाल नेटवर्क आपको हर मोड़ पर रोमांचित कर देगा। जब-तब अचानक से कोई किंगफिशर (रामचिरैया) चिड़िया पानी में गोता लगाती है और चोंच में मछली दबाकर उड़ जाती है, जबकि पास के तट पर स्थानीय लोग मछली पकड़ते हुए देखे जा सकते हैं। बच्चे नाव से स्कूल जा रहे होते हैं और केट्टुवल्लम (चावल के बराज) देखने वालों का ध्यान बरबस ही अपनी ओर खींच लेता है। दूर-दूर तक फैले धान के खेत और नारियल के पेड़ आपका मन मोह लेंगे।

कुंबलंगी इंटीग्रेटेड टूरिज्म विलेज : कुंबलंगी के छोटे से द्वीप को एक मॉडल फिशिंग ग्राम और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का एक अनोखा प्रयास किया गया है। भारत में यह अपने आपमें पहला प्रयास है और यह कोच्चि में स्थित है। इसे अनेक प्राकृतिक उपहारों का वरदान हासिल है और जो लोग यहां आते हैं उन्हें देखने को बहुत सी अनोखी चीजें मिलती हैं।

कुट्टनाड : कुट्टनाड, केरल के चावल का कटोरा आलप्पुषा जिले के बैकवाटर्स के बीच स्थित है। धान (चावल) की समृद्ध फसलों के कारण इसका यह नाम पड़ा। जिले के आंतरिक हिस्से में बसा हुआ यह इलाका एक विशाल पुनर्निर्मित (रीक्लेम्ड) भूमि है जिसे तटबंध (डाइक्स) द्वारा जल से अलग किया गया है और पानी की ऊंचाई जितनी दिखती उससे कहीं अधिक है। देहात का नजारा तो ऐसा है कि यहां से होकर जो भी हाउसबोट में गुजरते हैं सबको मंत्रमुग्ध कर देता है। माना जाता है यह दुनिया में शायद इकलौती जगह है जहां समुद्र तल से 2 मी. की गहराई पर खेती की जाती है।

कव्वायी कायल : कव्वायी कायल केरल के सबसे खूबसूरत बैकवाटर स्थल में गिना जाता है। यह अल्प ज्ञात स्थल पांच नदियों- कव्वायी नदी और इसकी सहायिका नदियों कांकोल, वण्णत्तिचाल, कुप्पित्तोड़ और कुनियन नदियों का परिणाम है। कव्वायी छोटे-छोटे द्वीपों का समूह है जो एक पुल द्वारा कण्णूर के पय्यन्नूर से जुड़ा है। इसे कुदरत ने अनेक खूबसूरत उपहारों से सजा रखा है और यह उत्तरी केरल के सबसे अनोखे स्थलों में से एक है। ये बैकवाटर्स उत्तर केरल के सबसे बड़े वेटलैंड का निर्माण करते हैं, जिसका क्षेत्रफल लगभग 37 वर्ग किमी है।

AU Ignite ने जयपुर में 12,000+ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया, सात वर्षों में 77 प्रतिशत से अधिक प्लेसमेंट हासिल

जयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

AU स्मॉल फाइनेंस बैंक की स्किलिंग और एम्प्लॉयबिलिटी पहल AU Ignite राजस्थान में एक महत्वपूर्ण आजीविका मंच के रूप में उभरी है। पिछले सात वर्षों में AU Ignite ने 12,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया और 7,500 से अधिक सफल प्लेसमेंट कराए, जिससे लगातार 77 प्रतिशतसे अधिक प्लेसमेंट सहायता हासिल हुई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्किल डेवलपमेंट को उद्योग की वास्तविक मांग के अनुरूप बनाना रहा है, ताकि प्रशिक्षण के परिणाम अल्पकालिक नौकरियों के बजाय स्थायी रोजगार में बदल सकें।

महिलाओं की कार्यबल भागीदारी पर विशेष ध्यान AU Ignite की एक प्रमुख विशेषता रही है। शुरुआत से अब तक इस कार्यक्रम ने 4,000 से अधिक महिला उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया, जिनमें से 2,500+ को सफलतापूर्वक नौकरी मिली। यह उपलब्धि राज्य में विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता और करियर की शुरुआत दिलाने में AU Ignite की भूमिका को दर्शाती है। 2018 में जयपुर के सी-स्कीम क्षेत्र में केवल 82 प्रशिक्षुओं के साथ एक छोटे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई यह पहल आज एक संरचित, रोजगार-उन्मुख कौशल विकास प्लेटफॉर्म बन चुकी है। AU Ignite अब BFSI, IT-ITES, टूरिज्म एवं हॉस्पिटैलिटी, मीडिया एवं एंटरटेनमेंट, टेलीकॉम और रिटेल जैसे क्षेत्रों में NSQF-अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है, साथ ही प्रोफेशनल ग्रूमिंग, अंग्रेज़ी संचार और कंप्यूटर दक्षता जैसी रोजगार कौशल भी सिखाता है।

वित्त वर्ष 2025-26 AU Ignite जयपुर के लिए एक मील का पत्थर रहा। इस दौरान केंद्र ने 2,363 युवाओं को प्रशिक्षित किया और 1,106 से अधिक उम्मीदवारों को BFSI, IT-ITES, मीडिया एवं एंटरटेनमेंट और टूरिज्म एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्रों में प्लेसमेंट दिलाया। प्लेसमेंट की गुणवत्ता भी बेहतर हुई–एंट्री-लेवल नौकरियों के लिए सालाना पैकेज 2.8 लाख से 4.2 लाख तक रहे, जबकि उच्च पदों के लिए 6 लाख से 9.5 लाख तक के पैकेज मिले। औसत मासिक वेतन 14,270 रहा और अधिकतम वेतन 40,000 प्रति माह से अधिक रहा।

AU स्मॉल फाइनेंस बैंक के संस्थापक, एमडी और सीईओ संजय अग्रवाल ने कहा कि भारत की जनसांख्यिकीय क्षमता तभी साकार होगी जब हम अपने युवाओं को उद्देश्य और तत्परता के साथ कौशल प्रदान करें। AU Ignite इसी विश्वास पर बनाया गया है, जो वंचित समुदायों के युवाओं को BFSI, हेल्थकेयर, टूरिज्म और IT जैसे उच्च-विकास क्षेत्रों में नौकरी के लिए तैयार करता है। इसमें AI, फुल-स्टैक डेवलपमेंट और सेल्सफोर्स जैसे कोर्स शामिल हैं, जिससे युवा भविष्य के लिए तैयार हो सकें। जब परिवार में पहली बार कोई कमाने लगता है, तो पूरे परिवार का जीवन बदल जाता है। यही AU का 'विकसित भारत' में योगदान है। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर, खासकर गेस्ट सर्विस एसोसिएट (GSA) कार्यक्रम, इस पहल की सबसे उल्लेखनीय सफलताओं में से एक रहा है।

आरबीआई ने यशवंत को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई | एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को यशवंत सहकारी बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और आय की संभावनाएं नहीं हैं।

आरबीआई ने बयान में कहा कि लाइसेंस रद्द होने के बाद यशवंत को-ऑपरेटिव बैंक को 19 मई 2026 को कारोबार बंद होने के बाद से बैंकिंग गतिविधियां संचालित करने की अनुमति नहीं होगी। केंद्रीय बैंक ने बताया कि महाराष्ट्र के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार को बैंक को बंद करने और एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने के निर्देश भी दिए गए हैं। बैंक के परिसमापन की स्थिति में प्रत्येक जमाकर्ता को जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अधिकतम 5 लाख रुपये तक की जमा बीमा राशि प्राप्त करने का अधिकार होगा। आरबीआई के मुताबिक, बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार लगभग 99.02 प्रतिशत जमाकर्ताओं को उनकी पूरी जमा राशि वापस मिलने की संभावना है। 20 अप्रैल तक डीआईसीजीसी पहले ही 106.96 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। आरबीआई ने कहा कि यशवंत को-ऑपरेटिव बैंक बैंकिंग विनियमन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने में विफल रहा है और उसका संचालन जमाकर्ताओं के हितों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, मौजूदा वित्तीय स्थिति में बैंक अपने वर्तमान जमाकर्ताओं की पूरी राशि लौटाने में सक्षम नहीं है। ऐसे में बैंक को आगे कारोबार जारी रखने की अनुमति देना जनहित के खिलाफ होगा। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि बैंक को तत्काल प्रभाव से जमा स्वीकार करने और जमा राशि लौटाने सहित सभी बैंकिंग गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है।

भारतीय व्यवसायों के लिए वैश्विक विकास मंच के रूप में दुबई की भूमिका और मजबूत हुई

नई दिल्ली।बिज़नेस रेमेडीज

दुबई चैंबर्स के प्रेसिडेंट एवं सीईओ मोहम्मद अली राशिद लूटा

दुबई चैंबर्स के तहत संचालित तीन चैंबरों में से एक, दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स ने घोषणा की है कि वर्ष 2026 की पहली तिमाही के दौरान 3,995 नई भारतीय कंपनियाँ चैंबर में शामिल हुई हैं। यह उल्लेखनीय वृद्धि चुनौतीपूर्ण वैश्विक व्यापारिक परिस्थितियों के बीच भारत और दुबई के बीच लगातार मजबूत होते आर्थिक और कारोबारी संबंधों को दर्शाती है। मार्च 2026 के अंत तक दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स के सक्रिय सदस्यों के रूप में पंजीकृत भारतीय कंपनियों की कुल संख्या बढ़कर 84,088 हो गई है, जिससे दुबई में सबसे बड़े विदेशी व्यापारिक समुदाय के रूप में भारत की स्थिति और अधिक मजबूत हुई है।

भारतीय कंपनियों की लगातार बढ़ती उपस्थिति इस बात को दर्शाती है कि वे व्यापार की निरंतरता, वैश्विक विस्तार और दीर्घकालिक विकास के लिए दुबई को एक भरोसेमंद, स्थिर और रणनीतिक कारोबारी केंद्र के रूप में देख रही हैं। दुबई चैंबर्स के प्रेसिडेंट एवं सीईओ मोहम्मद अली राशिद लूटा के मुताबिक - तेजी से जटिल होती वैश्विक अर्थव्यवस्था में कंपनियाँ अब उन बाजारों को प्राथमिकता दे रही हैं, जो स्पष्ट नीतियाँ, भरोसेमंद कारोबारी माहौल और निरंतर विकास की क्षमता प्रदान करते हैं। भारतीय व्यवसायों की बढ़ती मौजूदगी इस बात का प्रमाण है कि वे दीर्घकालिक सफलता के लिए दुबई पर कितना विश्वास करते हैं। दुबई कंपनियों को विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, चुस्त कारोबारी वातावरण और वैश्विक कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है, जिससे वे बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।

सोने-चांदी के दाम में मंगलवार को तेजी का रूख रहा

मुंबई | एजेंसी। सोने-चांदी के दाम में मंगलवार 19 मई को बढ़त देखी गई।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,338 रुपए बढ़कर 1.59 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी का दाम 673 रुपए बढ़कर 2.69 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 2.68 लाख रुपए पर थी।

शुरुआती बढ़त खोकर लाल निशान में बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 114 अंक फिसला; निफ्टी आईटी ने दिखाया दम

मुंबई | एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के बीच वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के चलते सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार अपनी शुरुआती बढ़त खोकर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स ने दिन के उच्चतम स्तर से 500 अंकों से ज्यादा गिरकर और एनएसई निफ्टी 50 ने दिन के हाई से 160 अंक से ज्यादा फिसलकर कारोबार का समापन किया। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 114.19 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,200.85 पर था, तो वहीं निफ्टी 31.95 (0.14 प्रतिशत) अंक फिसलकर 23,618 पर पहुंच गया।

व्यापक बाजारों ने प्रमुख बेंचमार्कों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.17 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.91 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई। वहीं सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज का प्रदर्शन भी खराब रहा। इस बीच, निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 3.23 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी रियल्टी (1.43 प्रतिशत की तेजी), निफ्टी मीडिया (1.18 प्रतिशत की तेजी), निफ्टी केमिकल्स और निफ्टी ऑटो ने भी बेहतर प्रदर्शन किया।

ऑफशोर विंड से लेकर ग्रीन टेक्नोलॉजी तक, भारत और नॉर्वे ने 5 बड़े रणनीतिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली | एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे यात्रा के दौरान भारत और नॉर्वे ने विज्ञान और तकनीक साझेदारी को मजबूत करते हुए पांच बड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए। ये समझौते ग्रीन एनर्जी, सतत विकास, समुद्री तकनीक, नवाचार और भू-विज्ञान सहयोग जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं।

इन समझौतों का उद्देश्य दोनों देशों के बीच संस्थागत सहयोग मजबूत करना, उद्योग और स्टार्टअप भागीदारी बढ़ाना, शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देना और सतत विकास परियोजनाओं को तेजी देना है। सबसे अहम समझौतों में से एक डीएसआईआर/ सीएसआईआर (काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च) और

नॉर्वे की रिसर्च काउंसिल ऑफ नॉर्वे (आरसीएन) के बीच हुआ, जिसके तहत रिसर्च, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट, इनोवेशन और क्षमता निर्माण में सहयोग बढ़ाया जाएगा।

समझौते में संयुक्त कार्यशालाएं, रिसर्च एवं डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स, वैज्ञानिकों के एक्सचेंज प्रोग्राम और जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा, समुद्री अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे वैश्विक मुद्दों पर सहयोग की व्यवस्था शामिल है। इसके अलावा, सीएसआईआर ने नॉर्वे की प्रमुख स्वतंत्र रिसर्च संस्था एसआईएनटीईएफ के साथ 2026-2029 के लिए एक नया सहयोग समझौता भी किया। यह साझेदारी सर्कुलर इकोनॉमी और सस्टेनेबिलिटी ट्रांजिशन पर केंद्रित होगी, जिसके तहत बायो-बेस्ड मैटेरियल, ओशन एनर्जी, ऑफशोर विंड, कार्बन कैप्चर, स्टोरेज और वेस्ट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में संयुक्त रिसर्च और इनोवेशन कार्यक्रम चलाए जाएंगे। एक अन्य महत्वपूर्ण समझौते के तहत कई सीएसआईआर संस्थानों ने एसआईएनटीईएफ संस्थाओं के साथ समुद्री ऊर्जा और ऑफशोर विंड एनर्जी तकनीकों पर प्रोजेक्ट आधारित सहयोग समझौता किया। इस सहयोग में सीएसआईआर-स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर, सीएसआईआर -नेशनल एयरोस्पेस लैबोरेट्रीज, सीएसआईआर -नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी व सीएसआईआर-फोर्थ पैराडाइम इंस्टीट्यूट शामिल हैं। वहीं नॉर्वे की ओर से एसआईएनटीईएफ ओशन, एसआईएनटीईएफ डिजिटल, एफएमई नॉर्थविंड और एसआईएनटीईएफ कम्युनिटी इस साझेदारी का हिस्सा होंगे। इस संयुक्त कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की ऑफशोर रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता को मजबूत करना और देश के नवीकरणीय ऊर्जा तथा कार्बन न्यूट्रैलिटी लक्ष्यों को समर्थन देना है। इस प्रोजेक्ट के तहत फ्लोटिंग ऑफशोर विंड टेक्नोलॉजी, ऊर्जा लागत कम करना, सस्टेनेबिलिटी स्टैंडर्ड, ईएसजी फ्रेमवर्क, पायलट प्रोजेक्ट, स्किल डेवलपमेंट और औद्योगिक विकास पर काम किया जाएगा।इस पहल के लिए सीएसआईआर लगभग 3.41 करोड़ रुपए की फंडिंग सहायता देगा। इसके अलावा, 'ग्रीन शिफ्ट के लिए विज्ञान, तकनीक और नवाचार सहयोग' शीर्षक से एक संयुक्त घोषणा पत्र पर भी हस्ताक्षर किए गए।

23 साल के तुषार कुमार यूके के सबसे युवा भारतीय मूल के मेयर बने

लंदन | एजेंसी

यूके में भारतीय मूल के और हरियाणा से संबंध रखने वाले 23 वर्षीय काउंसलर तुषार कुमार ने इतिहास रच दिया है। तुषार यूनाइटेड किंगडम में भारतीय मूल के सबसे युवा मेयर बन गए हैं। उन्हें एल्स्ट्री और बोरेहमवुड का मेयर नियुक्त किया गया है।

तुषार कुमार को 13 मई को बोरेहमवुड के फेयरवे हॉल में आयोजित काउंसिल की मेयर-मेकिंग सेरेमनी में आधिकारिक तौर पर मेयर बनाया गया। इस कार्यक्रम में कई काउंसलर, सामाजिक नेता, कम्युनिटी संगठनों के प्रतिनिधि, स्थानीय लोग, परिवार के सदस्य और दोस्त शामिल हुए। समारोह के बाद तुषार कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'एल्स्ट्री और बोरेहमवुड

का मेयर बनना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। 23 साल की उम्र में यूके के इतिहास में भारतीय मूल का सबसे युवा मेयर बनना अविश्वसनीय लगता है। किंग्स कॉलेज लंदन में पॉलिटिकल साइंस की पढ़ाई से लेकर अब अपने पसंदीदा शहर की सेवा करने तक का यह सफर किसी सपने जैसा लग रहा है।' अपने भाषण में तुषार कुमार ने बताया कि जब वह 20 साल के थे और किंग्स कॉलेज लंदन में पॉलिटिकल साइंस की पढ़ाई कर रहे थे, तभी पहली बार काउंसलर चुने गए थे। 'लंदन डेली' के अनुसार, तुषार ने कहा कि इतनी कम उम्र में मेयर बनना उनके लिए खास मायने रखता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे और ज्यादा युवा लोग स्थानीय लोकतंत्र, समाज सेवा और कम्युनिटी के कामों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित होंगे। तुषार कुमार ने पूर्व मेयर काउंसलर डैन ओजारो का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि डिप्टी मेयर रहते हुए उन्हें डैन ओजारो से काफी सहयोग और मार्गदर्शन मिला। उन्होंने काउंसलर लिंडा स्मिथ को नए डिप्टी मेयर बनने पर बधाई भी दी और कहा कि वह उनके साथ मिलकर इलाके की सेवा करने के लिए उत्साहित हैं। तुषार कुमार ने अपने परिवार और दोस्तों का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उनके राजनीतिक सफर में हमेशा उनका साथ दिया।

ब्रिटेन ने अपनी वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए विदेशी सहायता में कटौती करने का ऐलान किया

नई दिल्ली | एजेंसी

ब्रिटेन ने अपनी वित्तीय स्थिति को ध्यान में रख विदेशी सहायता (फॉरेन एड) में कटौती किए जाने का ऐलान किया। इसका सबसे ज्यादा असर झेलने वाले देशों में पाकिस्तान भी शामिल है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

द बोरगन प्रोजेक्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन सरकार ने 2027 तक अपनी विकास सहायता को सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) के 0.5 प्रतिशत से घटाकर 0.3 प्रतिशत करने का फैसला लिया है। इसके तहत 6 अरब डॉलर से अधिक की विदेशी सहायता में कटौती की जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान और मोजाम्बिक को सबसे ज्यादा झटका लगेगा, जबकि यमन, सोमालिया और अफगानिस्तान जैसे देशों को भी सीधे अनुदान में कमी का सामना करना पड़ेगा। ब्रिटेन की विदेश मंत्री अवैत कूपर ने संसद में कहा कि वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों, खासकर यूक्रेन युद्ध के चलते सरकार को रक्षा खर्च बढ़ाना पड़ रहा है, इसलिए 'कठिन फैसले और समझौते' करने पड़ रहे हैं। कोविड-19 महामारी से पहले ब्रिटेन अपनी जीएनआई का 0.7 प्रतिशत विदेशी सहायता पर खर्च करता था, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें लगातार कमी आई है। ब्रिटेन सरकार ने कहा है कि अब वह विकासशील देशों में निजी निवेश और विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के लिए 'निवेश आधारित साझेदारी' मॉडल पर ज्यादा ध्यान देगी। रिपोर्ट के अनुसार, इन कटौतियों से कई देशों के विकास कार्यक्रम प्रभावित होंगे और उन्हें वैकल्पिक वित्तीय स्रोतों, खासकर प्रवासी नागरिकों द्वारा भेजी जाने वाली रकम , पर अधिक निर्भर होना पड़ेगा। पाकिस्तान में विदेशों में रहने वाले 80 लाख से अधिक नागरिकों से आने वाली रकम बढ़कर लगभग 30 अरब डॉलर तक पहुंच गई है, जिससे विदेशी सहायता में आई कमी की आंशिक भरपाई हो रही है। वहीं मोजाम्बिक जैसे देशों, जहां प्रवासी आय कम है, को संयुक्त राष्ट्र जैसी बहुपक्षीय एजेंसियों पर अधिक निर्भर रहना पड़ सकता है, खासकर हाल की बाढ़ के बाद जब लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

चीन के प्रधानमंत्री ने एआई और प्रगतिशील विनिर्माण उद्योग के गहरे मिश्रण पर बल दिया

बीजिंग | एजेंसी

चीन के प्रधानमंत्री ली छ्यांग ने 18 मई को पेइचिंग निरीक्षण के दौरान एआई और प्रगतिशील विनिर्माण उद्योग के गहरे मिश्रण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमें सृजनात्मक विकास पर कायम रहकर प्रयोग को उजागर करते हुए बुद्धिमान रोबोट की उन्नति बढ़ाकर एआई से चौतरफा और गहरे तौर पर विनिर्माण उद्योग को सशस्त्र बनाना और आर्थिक विकास के नये इंजन और नये लाभ को तैयार करने में

तेजी लानी चाहिए।

प्रधानमंत्री ली छ्यांग ने लगातार पेइचिंग ह्यूमनॉइड रोबोट केंद्र लिमिटेड कंपनी और श्याओमी ऑटो टेक्नोलॉजी लिमिटेड कंपनी आकर बुद्धिमान रोबोट तकनीक के सृजन और व्यावसायिक विकास का परिचय सुना, उद्यमों की नई उपलब्धियों और उत्पादों के इस्तेमाल का प्रदर्शन देखा और कारखाने में कुशल विनिर्माण तथा गुणवत्ता जांच की स्थिति जानी।

ली छ्यांग ने बल दिया कि विज्ञान और तकनीक की जीवंत शक्ति इस्तेमाल में है। बुद्धिमान रोबोट व्यवसाय के विकास का उज्ज्वल भविष्य है। हमें चीन के विशाल बाजार, संपूर्ण व्यावसायिक चेन और प्रचुर अनुप्रयोग परिदृश्यों का लाभ उठाकर सम्बंधित समर्थक नीतियों के प्रयोग में सुरक्षा सुनिश्चित करने की पूर्वशर्त में पैमाने तौर इस्तेमाल करने में तेजी लानी चाहिए।

हेल्थ /लाइफस्टाइल/ एजुकेशन

स्पॉन्टेनियस सीएसएफ राइनोरिया नामक दुर्लभ बीमारी से जूझ रही महिला की जान बचाई

सी के बिरला हॉस्पिटल्स जयपुर में डॉक्टर्स ने जटिल सर्जरी की

जयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

35 वर्षीय सरिता (परिवर्तित नाम) को नाक के रास्ते लगातार द्रव्य का रिसाव हो रहा था जिस पर वह ध्यान नहीं दे रहीं थी। लेकिन जब उन्हें सर दर्द, कमजोरी जैसे लक्षण होने लगे तो उन्होंने इसकी जांच करवाई जिसमें पता लगा कि उन्हें एक दुर्लभ बीमारी है जिसके कारण दिमाग के आसपास जमे द्रव्य का रिसाव हो रहा था। ऐसे में सी के बिरला हॉस्पिटल्स जयपुर के सीनियर ईएनटी सर्जन डॉ. अमित नाहटा ने जटिल सर्जरी कर उनकी जान बचाई।

बढ़ जाता है मेनिनजाइटिस जैसे खतरनाक संक्रमण का खतरा : डॉ. अमित ने बताया कि मरीज पिछले काफी समय से नाक से लगातार साफ पानी जैसा तरल बहने की समस्या से परेशान थी। शुरुआत में इसे सामान्य जुकाम समझा गया, लेकिन जांच में सामने आया कि यह साधारण समस्या नहीं, बल्कि 'स्पॉन्टेनियस सीएसएफ राइनोरिया' है। इस बीमारी में दिमाग के आसपास मौजूद तरल नाक के रास्ते बाहर आने लगता है, जो आगे चलकर गंभीर

सी के बिरला हॉस्पिटल्स जयपुर के सीनियर ईएनटी सर्जन डॉ. अमित नाहटा

संक्रमण का कारण बन सकता है। यह स्थिति तब बनती है जब खोपड़ी के निचले हिस्से में बहुत छोटा छेद या कमजोरी आ जाती है। इससे दिमाग को सुरक्षा देने वाला तरल बाहर निकलने लगता है और मरीज को मेनिनजाइटिस जैसे खतरनाक संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

बेहद जटिल थी सर्जरी : डॉ. अमित नाहटा ने बताया कि यह केस काफी चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि लीकेज का स्थान बहुत सूक्ष्म था और उसे पहचानना आसान नहीं था। आधुनिक जांच तकनीकों की मदद से सटीक स्थान का पता लगाया गया। इसके बाद दूरबीन (एंडोस्कोपिक) तकनीक से नाक के रास्ते सर्जरी कर उस छेद को सफलतापूर्वक बंद किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह की सर्जरी में शरीर को बाहर से काटने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे मरीज को कम दर्द होता है और रिकवरी भी जल्दी होती है। सर्जरी के बाद महिला की स्थिति स्थिर है और अब वह पूरी तरह स्वस्थ होने की ओर बढ़ रही है।

डॉ. नाहटा ने लोगों को सलाह दी कि यदि किसी को लंबे समय तक एक तरफ से साफ पानी जैसा तरल नाक से आता रहे, खासकर झुकने पर ज्यादा हो, तो इसे नजरअंदाज न करें। समय पर जांच और इलाज से इस गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है।

ऑक्सिलो ने देशभर में घरेलू शिक्षा ऋण सेवाओं का विस्तार किया

जयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

भारत की अग्रणी शिक्षा-केंद्रित एनबीएफसी (NBFC), ऑक्सिलो फिनसर्व ने अपने घरेलू शिक्षा ऋण व्यवसाय इंडिया-एड (IndiaEd) का विस्तार करते हुए एक नई सुविधा शुरू की है। इसके तहत अब देशभर के पंजीकृत स्कूलों और कॉलेजों को सीधे फीस भुगतान की सुविधा प्रदान की जाएगी। यह कार्यक्रम स्कूली शिक्षा (K-12) से लेकर स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के इंजीनियरिंग, मेडिकल व मैनेजमेंट जैसे सभी प्रमुख पाठ्यक्रमों को कवर करता है। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया है

ऑक्सिलो फिनसर्व के 'इंडिया-एड' विभाग के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, आनंद सुब्रमण्यम

कि ऋण की पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी और लोन की स्वीकृति मिलने के मात्र 48 घंटों के भीतर राशि सीधे संबंधित शैक्षणिक संस्थान के खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी।

ऑक्सिलो फिनसर्व के 'इंडिया-एड' विभाग के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, आनंद सुब्रमण्यम ने कहा कि अधिकांश स्कूल और कॉलेज अपनी आय के मुख्य स्रोत के रूप में पूरी तरह फीस पर निर्भर रहते हैं। फीस संग्रह में होने वाली देरी से न केवल वेतन भुगतान का चक्र प्रभावित होता है, बल्कि बुनियादी ढांचे में होने वाला निवेश भी टल जाता है और भविष्य की शैक्षणिक योजनाओं पर बुरा असर पड़ता है। अनुसंधान रिपोर्टों के अनुसार, भारत में शिक्षा की लागत प्रतिवर्ष अनुमानित 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जो सामान्य उपभोक्ता महंगाई दर की तुलना में अधिक है। इसके परिणाम स्वरूप परिवारों पर वित्तीय बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है।

आईआईटी मंडी ने जल संसाधन आकलन करने वाला एआई उपकरण लॉन्च किया

मंडी | बिज़नेस रेमेडीज

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी (आईआईटी मंडी), जो देश के अग्रणी आईआईटी संस्थानों में से एक है, ने जलवायु जानकारी और जल संसाधन आकलन को अधिक सुलभ एवं किफायती बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपने 'भारतीय जलवायु सूचना अन्वेषक' मंच पर 'वॉटरशेडएआई' नामक एक क्रांतिकारी अनुप्रयोग लॉन्च किया है।

आईआईटी मंडी की 'हिमालयी जलवायु प्रभाव अनुसंधान प्रयोगशाला' द्वारा विकसित यह मंच जल विज्ञान मॉडलिंग, गहन अधिगम और बहुभाषी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कर भारत के किसी भी जलग्रहण क्षेत्र का व्यापक

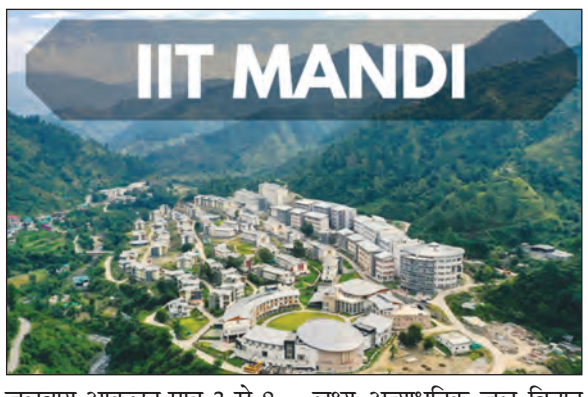

जलवायु आकलन मात्र 3 से 8 मिनट के भीतर तैयार करता है। यह मंच पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध है और 19 भाषाओं में प्रकाशन-स्तरीय जलग्रहण क्षेत्र रिपोर्ट प्रदान करता है। आईआईटी मंडी के सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी विद्यालय के संकाय सदस्य एवं 'हिमालयी जलवायु प्रभाव अनुसंधान प्रयोगशाला' के प्रमुख डॉ. विवेक गुप्ता ने कहा कि हमारा लक्ष्य अत्याधुनिक जल विज्ञान अनुसंधान और जमीनी स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया के बीच की दूरी को कम करना रहा है। 'वॉटरशेडएआई' विशेषता भू-आकृतिक विश्लेषण, मिट्टी एवं भूमि उपयोग की विशेषताओं, प्रेक्षित एवं अनुमानित जलवायु आँकड़ों, सूखा सूचकांकों तथा गतिशील जल-उपज मॉडल को एक समेकित स्वरूप में प्रस्तुत करती है।'

प्रदेश में तकनीकी शिक्षा के सशक्तिकरण और भविष्य के नवीन आयामों के साथ आरटीयू निरंतर बढ़ रहा है आगे : प्रो. निमित चौधरी

कोटा | बिज़नेस रेमेडीज

तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के प्रबंध मंडल की 51वीं नियमित बैठक कुलगुरू प्रो निमित चौधरी की अध्यक्षता में में आयोजित हुई। सह जन सम्पर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि इस उच्च स्तरीय बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक ढांचे को मजबूत करने, प्रशासनिक सुधार शैक्षणिक उन्नयन तथा कर्मचारी कल्याण की भावना के साथ लंबे समय से लंबित कार्मिकों के हितों का संरक्षण करने, नए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों को शुरू करने तथा विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए कई दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय लिए गए है।

बैठक में विधायक संदीप शर्मा एवं ललित मीणा सहित तकनीकी शिक्षा और वित्त विभाग के उच्च स्तरीय प्रतिनिधियों और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य सम्मिलित हुए। प्रबंध मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए कुलगुरू प्रो. निमित

चौधरी ने कहा कि लिए गए निर्णय राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश का अग्रणी संस्थान बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे । यह ऐतिहासिक निर्णय न केवल राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के वर्तमान को सशक्त करेंगे, बल्कि इसके भविष्य को भी नई दिशा प्रदान करेंगे। यह निर्णय न केवल कर्मचारियों और विद्यार्थियों के हित में हैं, बल्कि विश्वविद्यालय को भविष्य में और अधिक सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक सिद्ध होंगे। कुलगुरू प्रो निमित चौधरी ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कर्मचारियों के लिए पेंशन योजना को मंजूरी प्रदान की है। पेंशन नीति को लागू करने की पहल कार्मिकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, वहीं नए पदों का सृजन और कंसल्टेंसी नीति कोटा को तकनीकी नवाचार का एक बड़ा केंद्र बनाने में मदद करेगी। पेंशन योजना का निर्णय हमारे शिक्षकों एवं कर्मचारियों के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता का प्रतीक है। उनकी सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय में बढ़ती शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नए शैक्षणिक पदों के सृजन को भी स्वीकृति दी गई। इन पदों के सृजन से शिक्षण गुणवत्ता में सुधार होगा तथा विद्यार्थियों को बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त हो सकेगा। इसके साथ ही, नए शैक्षणिक पदों के सृजन का निर्णय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ करेगा। यह कदम न केवल शिक्षण एवं शोध गतिविधियों को गति देगा, बल्कि विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराने में भी सहायक सिद्ध होगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि इन पदों पर योग्य एवं प्रतिभाशाली व्यक्तियों की नियुक्ति हो, जिससे राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रतिष्ठा वैश्विक स्तर पर रेखांकित की जाए ।

कुलगुरू प्रो निमित चौधरी ने कहा कि विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ बनाने हेतु प्रबंध मंडल ने राजस्व वृद्धि के लिए नई नीतियों को भी मंजूरी दी गई है। राजस्व वृद्धि के लिए नई नीतियों को स्वीकृति देना भी एक दूरदर्शी पहल है। आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे विश्वविद्यालय अपनी विकास योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित कर सकेगा। इन नीतियों के माध्यम से हम संसाधनों का बेहतर उपयोग करेंगे और नवाचार को बढ़ावा देंगे। इन नीतियों के अंतर्गत संसाधनों के बेहतर उपयोग, नए आय स्रोतों की पहचान तथा विभिन्न नवाचारों को प्रोत्साहित किया जाएगा। बैठक में लिए गए इन निर्णयों को विश्वविद्यालय के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एयरटेल ने लॉन्च की प्रायोरिटी पोस्टपेड सेवा, ग्राहकों को मिलेगा बेहतर नेटवर्क अनुभव

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

भारती एयरटेल ने प्रायोरिटी पोस्टपेड सेवा लॉन्च करने की घोषणा की। यह नई सेवा 5जी स्लाइसिंग तकनीक का उपयोग करती है, जिससे पोस्टपेड ग्राहकों को स्थिर और बेहतर नेटवर्क का अनुभव मिलेगा। यह सेवा विशेष रूप से उन व्यस्त ग्राहकों के लिए तैयार की गई है, जो काम, मनोरंजन या ऑनलाइन सहयोग के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी पर निर्भर रहते हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए एयरटेल इंडिया के एमडी और सीईओ शाश्वत शर्मा ने कहा, 'एयरटेल में हमारा फोकस ऐसे सार्थक समाधानों पर है, जो ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाएं। प्रायोरिटी पोस्टपेड, 5जी स्लाइसिंग तकनीक से संचालित हमारा नया समाधान है। यह ग्राहकों को तेज, स्थिर और भरोसेमंद कनेक्टिविटी प्रदान करता है, चाहे वे ट्रैफिक में क्लाइंट कॉल अटेंड कर रहे हों, किसी भीड़भाड़ वाले कॉन्सर्ट में स्ट्रीमिंग कर रहे हों या व्यस्त बाजार में कैब बुक कर रहे हों।' इस सेवा के लिए एयरटेल ने अपने 5जी नेटवर्क को नेटवर्क स्लाइसिंग तकनीक की उन्नत क्षमताओं से सशक्त बनाया है। यह तकनीक नेटवर्क को अधिक स्मार्ट और कुशल बनाते हुए अतिरिक्त क्षमता तैयार करती है, जिससे प्रायोरिटी ग्राहकों को बेहतर और निर्बाध अनुभव सुनिश्चित किया जा सकता है। नेटवर्क क्षमता को इंटेलीजेंट और डायनेमिक तरीके से विभाजित कर एयरटेल अपने पोस्टपेड ग्राहकों को अधिक स्थिर, भरोसेमंद और लगातार बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान कर रहा है, विशेष रूप से उन परिस्थितियों में जब नेटवर्क पर ट्रैफिक का दबाव अधिक हो।

मोटोरोला ने moto g37 सीरीज और buds 2 किए लॉन्च

moto g37 POWER में मिलेगी 3 दिन तक की बैटरी लाइफ

moto g37 में मिलेगा प्रीमियम डिजाइन और AI फीचर्स

moto buds 2 में मिलेगा 55dB ANC और Spatial Audio सपोर्ट

नई दिल्ली | बीआर न्यूज नेटवर्क
businessremedies.com

मोटोरोला ने भारतीय बाजार में अपने नए स्मार्टफोन moto g37 POWER, moto g37 और moto buds 2 लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी ने इस नई लाइनअप को लंबी बैटरी लाइफ, दमदार 5जी परफॉर्मेंस, AI फीचर्स, प्रीमियम डिजाइन और बेहतर एंटरटेनमेंट एक्सपीरियंस के साथ पेश किया है। मोटोरोला का कहना है कि यह नई सीरीज यूजर्स को बजट सेगमेंट में प्रीमियम स्मार्ट डिवाइस अनुभव देने के लिए तैयार की गई है।

moto g37 POWER में मिलेगी 7000mAh बैटरी

moto g37 POWER को कंपनी ने सेगमेंट का सबसे पावरफुल स्मार्टफोन बताया है। इसमें 7000mAh बैटरी दी गई है, जो सिंगल चार्ज पर 3 दिन तक का बैकअप देने का दावा करती है। फोन में 33W TurboPower चार्जिंग, MediaTek Dimensity 6400 प्रोसेसर, 120Hz डिस्प्ले और 50MP AI कैमरा सिस्टम दिया गया है।

moto g37 में मिलेगा शानदार 5जी और AI अनुभव

moto g37 स्मार्टफोन को बेहतर परफॉर्मेंस और एंटरटेनमेंट के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें फास्ट 5जी सपोर्ट, AI बेस्ड फीचर्स, स्मूद मल्टीटास्किंग और प्रीमियम डिजाइन दिया गया है। कंपनी ने इसे बजट सेगमेंट में स्टाइल और परफॉर्मेंस का मजबूत विकल्प बताया है।

ड्यूरेबिलिटी और डिस्प्ले पर खास फोकस

नई moto g37 सीरीज में Corning Gorilla Glass 7i, MIL-STD-810H सर्टिफिकेशन और IP64 वॉटर रेसिस्टेंस मिलता है। दोनों स्मार्टफोन्स में 6.7 इंच का 120Hz पंच-होल डिस्प्ले दिया गया है, जो बेहतर ब्राइटनेस और स्मूद विजुअल अनुभव प्रदान करता है।

moto buds 2 में मिलेगा प्रीमियम ऑडियो

मोटोरोला ने moto buds 2 भी लॉन्च किए हैं, जिनमें 11mm+6mm ड्यूल डायनैमिक ड्राइवर्स, 55dB डायनैमिक ANC, LDAC सपोर्ट और Spatial Audio फीचर दिया गया है। ईयरबड्स में AI आधारित कॉलिंग फीचर्स और 48 घंटे तक बैटरी बैकअप मिलता है।

कीमत और उपलब्धता

moto g37 POWER की शुरुआती कीमत रूपये 15,999 रखी गई है, जबकि moto g37 की कीमत रूपये 13,999 से शुरू होती है। वहीं moto buds 2 की कीमत रूपये 2,999 तय की गई है। ये सभी डिवाइस 25 मई 2026 से Flipkart, Motorola.in और प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे।

टीवीएस रेसिंग ने टीवीएस इंडिया वन मेक चैंपियनशिप 2026 के लिए देशव्यापी प्रशिक्षण और चयन कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया

चयन का अंतिम दौर 15 मई से 17 मई 2026 के बीच चेन्नई के मद्रास इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित किया गया

चेन्नई | बिजनेस रेमेडीज

चार दशकों से अधिक की रेसिंग उत्कृष्टता को आगे बढ़ाते हुए, टीवीएस रेसिंग ने टीवीएस इंडिया वन मेक चैंपियनशिप (OMC) 2026 ट्रेनिंग एवं चयन कार्यक्रम के सफल समापन की घोषणा की। भारत के चार शहरों में आयोजित इस पहल ने देश में अगली पीढ़ी के रेसिंग प्रतिभाओं की पहचान, प्रशिक्षण और उन्हें आगे बढ़ाने के प्रति टीवीएस रेसिंग की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत किया। अंतिम चयन चरण 15 मई से 17 मई 2026 के बीच चेन्नई स्थित मद्रास इंटरनेशनल सर्किट (MIC) में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में महिला, मीडिया, रूकी, इलेक्ट्रिक और टीवीएस अपाचे RR310 एक्सपर्ट सहित विभिन्न श्रेणियों में 120 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। टीवीएस इंडिया वन मेक चैम्पियनशिप देश के अग्रणी राइडर डेवलपमेंट (चालक विकास) प्लेटफॉर्म्स में से एक बनी हुई है। यह प्रोफेशनल रेसिंग के अनुभव को एक व्यवस्थित प्रशिक्षण के साथ जोड़ती है, ताकि भारत के जमीनी स्तर के मोटरस्पोर्ट इकोसिस्टम को मजबूत किया जा सके और उभरते हुए राइडर्स के लिए प्रतिस्पर्धी रेसिंग को अधिक सुलभ बनाया जा सके। 2026 सीजन इसलिए भी खास है क्योंकि टीवीएस अपाचे अपनी रेसिंग-प्रेरित परफॉर्मेंस इंजीनियरिंग के 20 वर्ष पूरे कर रही है, जो टीवीएस रेसिंग की 'ट्रैक टू रोड' सोच से प्रेरित है।

रेस ट्रैक से मिले अनुभव न केवल मोटरसाइकिल विकास में बल्कि पेशेवर मोटरस्पोर्ट प्रतियोगिताओं के लिए राइडर्स के प्रशिक्षण और तैयारी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

प्रतिभागियों को टीवीएस रेसिंग विशेषज्ञों द्वारा एक व्यवस्थित प्रशिक्षण और मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा, जिसमें राइडिंग तकनीक, निरंतर प्रदर्शन, ट्रैक की समझ और समग्र प्रदर्शन पर ध्यान दिया गया। इसके साथ ही राइडर सुरक्षा और रेस अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। कार्यक्रम के सफल समापन पर टिप्पणी करते हुए टीवीएस मोटर कंपनी के हेड बिजनेस - प्रीमियम, विमल सुम्बली ने कहा, 'टीवीएस इंडिया वन मेक चैंपियनशिप हमेशा से एक व्यवस्थित और पेशेवर रेसिंग इकोसिस्टम के जरिए नए रेसर्स तैयार करने पर केंद्रित रही है। हम अपने राइडर्स की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण और विकास प्रदान करते हैं, चाहे वे नए प्रतिभागी हों, युवा प्रतिभाएँ हों या राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाले अनुभवी रेसर्स।

विविध

जीई एयरोस्पेस ने पुणे संयंत्र में 100 करोड़ रुपये के निवेश के साथ भारत की मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ को दी तेजी

पुणे | बिजनेस रेमेडीज

जीई एयरोस्पेस ने अपने पुणे मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र में 100 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। इससे भारत में कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग मौजूदगी और मजबूत होगी तथा देश के प्रति उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और पुख्ता होगी। यह निवेश नई वेल्डिंग तकनीकों, एडवांस जांच उपकरणों, प्रिसीजन टूल्स, गेजेस, फिक्स्चर्स और अतिरिक्त इंफ्रास्ट्रक्चर सुधारों का समर्थन करेगा। इनकी मदद से उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, प्रक्रिया की सटीकता बेहतर होगी और दुनिया भर के ग्राहकों तक उच्च गुणवत्ता वाले कंपोनेंट्स की डिलीवरी को समर्थन मिलेगा।

यह नया निवेश पिछले दो वर्षों में घोषित 410 करोड़ रुपये के निवेश की अगली कड़ी है, जिससे पुणे संयंत्र में तीन वर्षों के दौरान जीई एयरोस्पेस का कुल निवेश 510 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। पिछले निवेशों का मुख्य फोकस मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाओं को उन्नत करना, ऑटोमेशन बढ़ाना और क्षमताओं का विस्तार करना था, ताकि अगली पीढ़ी के इंजन कंपोनेंट्स का उत्पादन किया जा सके। यह नई अपग्रेड संयंत्र की क्षमताओं का और विस्तार करेगी तथा जीई एयरोस्पेस के GE90, GEnx, GE9X और सीएफएम इंटरनेशनल के LEAP इंजन प्रोग्राम्स के लिए कंपोनेंट उत्पादन को समर्थन देगी। जीई एयरोस्पेस के पुणे मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र के मैनेजिंग डायरेक्टर विश्वजीत सिंह ने कहा, 'यह लगातार किया जा रहा निवेश भारत के प्रति जीई एयरोस्पेस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और हमारे वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क में पुणे संयंत्र की भूमिका के प्रति हमारे भरोसे को दर्शाता है। हमारी लगातार बढ़त हमारे ग्राहकों और व्यापक समुदाय, दोनों के लिए फायदेमंद है। इससे जीई एयरोस्पेस और हमारे सप्लायर पार्टनर्स के लिए अप्रेंटिसशिप और रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे। पिछले एक दशक में यह संयंत्र एक उच्च क्षमता वाले एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित हुआ है, जिसने भारत के सप्लायर इकोसिस्टम को मजबूत किया है और जीई एयरोस्पेस की वैश्विक सप्लाई चेन में योगदान दिया है।'

जीई एयरोस्पेस का पुणे मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र कंपनी की वैश्विक सप्लाई चेन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो वाणिज्यिक विमान इंजनों के लिए जरूरी कंपोनेंट्स का उत्पादन करता है। यह संयंत्र भारत में जीई एयरोस्पेस के 2,200 से अधिक सप्लायर्स के व्यापक नेटवर्क के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर 300 से अधिक सप्लायर्स के साथ काम करता है। यह एडवांस मैन्युफैक्चरिंग विशेषज्ञता और प्रिसीजन इंजीनियरिंग क्षमताओं के माध्यम से वैश्विक एयरोस्पेस प्रोग्राम्स में भारत की भूमिका को मजबूत करने में मदद करता है।

यह संयंत्र कर्मचारियों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका दो साल का अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम हर साल 500 से अधिक अप्रेंटिस को क्लासरूम शिक्षा और साइट पर मौजूद समर्पित वेल्ड स्कूल के माध्यम से विशेष TIG वेल्डिंग प्रशिक्षण देता है। वर्ष 2015 से अब तक इस संयंत्र ने 5,000 से अधिक प्रोडक्शन एसोसिएट्स को प्रशिक्षित किया है, जिससे भारत में एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्रतिभाओं की मजबूत पाइपलाइन तैयार हुई है। हाल ही में दिए गए सामुदायिक और वर्कफोर्स डेवलपमेंट ग्रांट्स ने भी इस क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास से जुड़ी पहलों को समर्थन दिया है। आज की यह घोषणा भारत के प्रति जीई एयरोस्पेस की व्यापक प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है, जहां कंपनी मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग और सप्लाई चेन विकास में लगातार निवेश कर उड़ान के भविष्य को आकार देने में योगदान दे रही है।

गर्मियों में ठंडक के लिए 'केनस्टार महाकूल एचसी 90 डिजर्ट एयर कूलर' है शानदार

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज

केनस्टार महाकूल एचसी 90 डिजर्ट एयर कूलर गर्मियों में ठंडक के लिए शानदार विकल्प है। यह देश का पहला फाइव स्टार रेटिंग और 5 साल की वारंटी वाला कूलर है। अगर आप बड़े कमरे, हॉल या दुकान के लिए एक दमदार एयर कूलर ढूंढ रहे हैं, तो 'केनस्टार महाकूल एचसी 90 डिजर्ट एयर कूलर' एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। राजस्थान में भीषण गर्मी ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है और आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में लोगों की परेशानियां भी बढ़ती जा रही हैं।

बाजारों में एयर कंडीशनर और कूलर की मांग तेजी से बढ़ रही है। जहां एक ओर उच्च बजट वाले लोग एसी का रुख कर रहे हैं, वहीं मध्यम वर्ग के लोग किफायती और बेहतर कूलिंग वाले एयर कूलर की तलाश में हैं। अगर आप भी कम बजट में दमदार कूलिंग चाहते हैं, तो केनस्टार महा कूल 90 डेजर्ट एयर कूलर एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। यह कूलर अपनी शानदार कूलिंग, कम आवाज और मजबूत डिजाइन के कारण लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। केनस्टार

महाकूल एचसी 90 डिजर्ट एयर कूलर की सबसे बड़ी खासियत इसका बड़ा 90 लीटर पानी का टैंक है, जिससे बार-बार पानी भरने की जरूरत नहीं पड़ती। इसकी कूलिंग बड़े कमरे और खुले एरिया में काफी अच्छी मानी जाती है। इसमें हनीकोंब कूलिंग पैड दिए गए हैं जो ठंडी हवा को लंबे समय तक बनाए रखते हैं। इस कूलर का एयर थ्रो काफी पावरफुल है और तेज गर्मी में भी अच्छा एयरफ्लो देता है। कई यूज़र्स ने बताया कि यह छोटे दुकानों और बड़े कमरों को आसानी से ठंडा कर देता है।

इसके फायदे

- 90 लीटर बड़ा टैंक
- मजबूत एयर थ्रो और हाई-स्पीड फैन
-हनीकोंब पैड से बेहतर कूलिंग
- इनवर्टर से चलने योग्य
-बिजली की खपत कम (लगभग 230W–320W)
-बड़े कमरे, हॉल और दुकान के लिए बढ़िया

बेहतरीन कूलिंग, कम शोर

कंपनी के अनुसार, इस कूलर को बड़े हॉल और छोटे कमरों दोनों में टेस्ट किया गया है, जहां इसने शानदार प्रदर्शन किया। इसकी खासियत यह है कि यह चलते समय ज्यादा शोर नहीं करता, जिससे आप आराम से काम कर सकते हैं या सो सकते हैं।

मजबूत और स्टाइलिश डिजाइन

यह कूलर कॉम्पैक्ट साइज के साथ आता है, जिसकी ऊंचाई लगभग साढ़े तीन फीट है। इसकी बॉडी मजबूत प्लास्टिक से बनी है और नीचे फाइबर स्टैंड दिया गया है। निष्कर्ष तौर पर कह सकते हैं कि अगर आप राजस्थान जैसे गर्म और सूखे इलाके में रहते हैं, तो यह कूलर अच्छी ठंडक देता है और एसी की तुलना में बिजली भी कम खर्च करता है। बड़े कमरे या दुकान के लिए यह एक वैल्यू-फॉर-मनी एयर कूलर माना जा सकता है।

कंसाई नेरोलैक ने 'पर्मा नोहीट' से मंदिरों के तपते रास्तों का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस तक कम किया

मुंबई | बिजनेस रेमेडीज

भारत की प्रमुख पेंट कंपनियों में से एक, कंसाई नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड (KNPL) ने अपने हीट-रिफ्लेक्टिव कोटिंग, 'नेरोलैक पर्मा नोहीट' (Nerolac Perma NoHeat) को विज्ञापनों से निकालकर एक प्रभावशाली ऑन-ग्राउंड पहल के जरिए वास्तविकता में बदल दिया है। एक अनूठे ऑन-ग्राउंड एक्टिवेशन के तहत कंपनी ने दक्षिण भारत के कई ऐसे मंदिरों के रास्तों पर 'पर्मा नोहीट' की कोटिंग की जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है; यह कंसाई नेरोलैक की एक खास 'हीट-रिफ्लेक्टिव' (गर्मी वापस मोड़ने वाली) कोटिंग है, जिसे जमीन या सतह को गर्म होने से बचाने के लिए बनाया गया है। ऑन-ग्राउंड तापमान रीडिंग में देखा गया कि कोटिंग की गई सतहों के तापमान में 15°C तक की कमी आई, जिसके परिणामस्वरूप, दिन के सबसे गर्म समय में मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं को नंगे पैर चलने में स्पष्ट और शारीरिक रूप से अधिक आरामदायक अनुभव मिला।

इस अभियान ने केवल फायदों को समझाने के बजाय, लोगों को इसे तुरंत और स्वाभाविक रूप से महसूस करने का अवसर दिया। 'ट्राइब्स' एजेंसी के सहयोग से तैयार किए गए इस कैंपेन की सोच यह थी कि लोग इस कोटिंग का असर खुद अनुभव करें। हमने लोगों की एक आम असुविधा को हल करके उन्हें इसका सीधा फायदा महसूस कराया।

एक ऐसी असुविधा जिसे लोग स्वाभाविक रूप से अपना तो लेते हैं लेकिन शायद ही कभी उस पर सवाल उठाते हैं। मंदिर के अधिकारियों के समन्वय के साथ इस योजना को सावधानीपूर्वक लागू किया गया ताकि श्रद्धालुओं के दर्शन और पूजा-पाठ में कम से कम दिक्कत हो, साथ ही उन 'हाई-इम्पैक्ट ज़ोन्स' पर ध्यान केंद्रित किया गया जहां इसके लाभ को तुरंत महसूस किया जा सके। इसके पीछे मुख्य सोच यह थी कि सिर्फ प्रदर्शन करने के बजाय, पेंट का इस्तेमाल ऐसी जगह किया जाए जहाँ लोगों को इसका असर खुद-ब-खुद समझ आ जाए। गर्मी को कम करने के बारे में समझाने के बजाय, सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण और उच्च जुड़ाव वाले वातावरण में इस पहल को रखकर, इस एक्टिवेशन ने एक कार्यात्मक वादे (functional promise) को बेहद व्यक्तिगत अनुभव में बदल दिया। यह अभियान आज के समय में गर्मी से राहत पाने की सबसे बड़ी जरूरत को भी पूरा करता है। खासकर शहरों और कस्बों में, जहां बढ़ता तापमान और लू (हीटवेव) का असर सबसे ज्यादा है। इस अभियान में बड़ी-बड़ी बातें या भारी-भरकम संदेश देने से बचा गया है। इसके बजाय पूरा ध्यान सिर्फ एक ऐसे ठोस कदम पर रखा गया है जिससे लोगों को उसी वक्त गर्मी से राहत मिल सके। यह एक साधारण बदलाव है, लेकिन एक ऐसा बदलाव है जो स्थायी प्रभाव छोड़ता है।

सत्त्वाधिकारी मुद्रक व प्रकाशक पुनीत जैन द्वारा सीटी-01 वैदिक अपार्टमेंट्स,कापसहेड़ा, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं आदित्य ग्राफिक्स इंक, प्रताप भवन, 5 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से मुद्रित। संपादक : पुनीत जैन मो. 9929106227, आर.एन.आई नं.: DELHIN/2022/83921, E-Mail: brdelhi1@gmail.com, remediesbusiness@gmail.com